दैनिक
सीहोर जिले का प्रथम दैनिक
RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे
सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-140 | सीहोर,रविवार 19 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सोनम वांगचुक को पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाया, अस्पताल लेकर गई

नईदिल्ली, (आरएनएस)। 21 दिन से दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने जबरन वहां से हटा दिया है। भारी सुरक्षा के बीच पुलिस वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल लेकर गई है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेशों और चिकित्सकीय विशेषज्ञों की सलाह के बाद वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उन्हें जरूरी देखभाल के लिए अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।दिल्ली पुलिस ने कहा, माननीय हाई कोर्ट के आदेशों और मेडिकल विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार, वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उन्हें जरूरी मेडिकल देखभाल के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे अफरा-तफरी मची।

हालांकि, पुलिस ने संयम बरता और पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित रूप से किया। हम जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे जल्द से जल्द शांतिपूर्ण ढंग से जगह खाली करदें। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, सुबह करीब 7 बजे जब मैं बाहर गया था, तभी पुलिसकर्मी वहां पहुंचे। वे सोनम सर को गालियां देते हुए जबरन से ले गए। एक 60 साल के शख्स जो पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर थे और जिन्होंने कुछ भी नहीं खाया था, उन्हें दिल्ली पुलिस जबरन उठाकर ले गई। पुलिस ने मेरे साथ भी मारपीट की। ये पुलिसकर्मी नहीं हैं, बल्कि आरएसएस के गुंडे हैं। नीट पेपर लीक में जवाबदेही और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर वांगचुक ने 28 जून को भूख हड़ताल शुरू की थी। इस वजह से अब तक उनका 9.5 किलोग्राम वजन कम हो गया है। उनके साथ एआईएसए की नेहा, आमीन और मनीष भी भूख हड़ताल पर हैं। आमीन को पानी की कमी हो गई है। नेहा का ब्लड शुगर और मनीष का वजन कम हो गया है। 16 जुलाई को वांगचुक को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई थी। तब कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश दिया था कि वे वांगचुक के स्वास्थ्य और चिकित्सा स्थिति की दैनिक आधार पर सरकारी डॉक्टरों द्वारा निगरानी करें।कोर्ट ने कहा था, हम केवल यह देखते हैं कि हर नागरिक का जीवन अनमोल है, सरकार को इसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। यदि किसी प्रकार की चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो, तो तुरंत हस्तक्षेप करें।

सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने पर विपक्ष का हंगामा, सरकार पर लगाए तानाशाही के आरोप

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती करा दिया है। सोनम को जबरन अस्पताल में भर्ती कराने पर विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए इसे गुंडागर्दी और तानाशाही करार दिया है। सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने का विरोध करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने एक्स पर लिखा, ये क्या गुंडागर्दी चल रही है? प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ये सत्ता का अहंकार लंबे समय तक नहीं चलता। जिस युवा पर लठ्ठ चला रहे हो, यही आपका तख्त उखाड़ेगा। एक शख्स सोनम वांगचुक जो पिछले 21 दिनों से आमरण अनशन पर है, उनकी मांगें सुनने के बजाय उसको जबरन गिरफ्तार कर हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, सोनम वांगचुक को जबरन हटाना सिर्फ एक कार्रवाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को कुचलना है। भाजपा सरकार को अब शांतिपूर्ण विरोध भी बर्दाश्त नहीं ।

राजधानी के बाहर हुई कैबिनेट बैठकों से प्रदेश के गौरवशाली व्यक्तित्व हुए सम्मानित

मध्यप्रदेश के प्रत्येक अंचल में कैबिनेट बैठक का नवाचार देश में अनूठा
विश्व धरोहर स्थल खजुराहो से लेकर हिल स्टेशन पचमढ़ी में हुईं बैठकें

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि परिषद बैठकों के आयोजन के लिए नवाचार करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों में इन्हें करने की पहल की। जनकल्याण से जुड़े नीतिगत निर्णय सिर्फ मंत्रालय, भोपाल में ही नहीं प्रदेश के सुदूर अंचलों में भी लिए जाने लगे हैं। राजधानी भोपाल से लगे हुए प्राचीन महल और स्मारक वाले गांव जगदीशपुर में रविवार, 19 जुलाई को मंत्री परिषद की बैठक हो रही है। प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा।मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में गत ढाई वर्ष में राजधानी भोपाल में होने वाली नियमित कैबिनेट बैठकों के अलावा अन्य स्थानों पर सात मंत्रि-परिषद बैठकों का नवाचार हुआ है। मध्य प्रदेश में किया गया ये नवाचार आम जनता द्वारा भी काफी सराहा गया है। भोपाल के साथ ही अब जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में मंत्रि परिषद की बैठकों की कार्यवाही हो चुकी है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर में हुई बैठक के साथ ही इन सभी बैठकों में जनकल्याण से जुड़े बहुआयामी निर्णय लिए गए हैं।बाबा महाकाल की नगरी में भी होगी कैबिनेट बैठकमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य कैबिनेट के साथ ही कृषि कैबिनेट भी प्रदेश के प्रत्येक अंचल में करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी कैबिनेट प्रस्तावित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क का कार्य भी इससे आसान हुआ है। जहां राजधानी में ही जन हित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते रहे हैं, अब इस नवाचार के अंतर्गत प्रदेश के छोटे से ग्राम स्तर से भी जन कल्याण के महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं।

बेंगलुरु के केआर सर्कल में बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की एक बस ट्रैफिक सिग्नल के खंभे से टकरा गई; बताया जा रहा है कि ड्राइवर ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया था।

भारत की अंतरिक्ष उड़ान में नया अध्यायः निजी रॉकेट 'विक्रम-1' की सफल लॉन्चिंग, पीएम मोदी ने दी बधाई

हैदराबाद/श्रीहरिकोटा,(आरएनएस)। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपने पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण किया।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शुक्रवार दोपहर 12:05 बजे रॉकेट ने सफल उड़ान भरी और निर्धारित मिशन के तहत पेलोड को 450 किलोमीटर ऊंची लो-अर्थ ऑर्बिट में स्थापित किया। इस सफलता के साथ भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग ने एक नए युग में प्रवेश किया है।

प्रधानमंत्री ने दी पूरी टीम को बधाई

रॉकेट की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापकों और वैज्ञानिकों से फोन पर बातचीत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सफल मिशन नहीं, बल्कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में नए दौर का आगमन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब निजी क्षेत्र के लिए स्पेस सेक्टर खोलने का निर्णय लिया गया था, तब कई तरह की आशंकाएं थीं, लेकिन युवाओं ने अपनी प्रतिभा से उस निर्णय को सही साबित कर दिया।उन्होंने टीम की युवा ऊर्जा की सराहना करते हुए कहा कि देश के युवाओं पर भरोसा करने का परिणाम आज पूरे देश के सामने है और यह उपलब्धि आने वाले समय में भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर स्काईरूट टीम को वंदे मातरम् लिखा एक विशेष पोस्टकार्ड भी भेजा।

एससीओ बैठक में शामिल हुआ भारत, पाकिस्तान संग सीमा सुरक्षा पर हुई चर्चा

नईदिल्ली,(आरएनएस)। पाकिस्तान से तनाव के बावजूद बहुपक्षीय मंचों पर भारत की भागीदारी लगातार जारी है। भारत ने शुक्रवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान की अध्यक्षता में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सीमा सुरक्षा प्रमुखों की 12वीं बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में बेलारूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिज गणराज्य, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान के अधिकारी और प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में सदस्य देशों के बीच सीमा सुरक्षा, संयुक्त अभियान और आतंकवाद से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के मुताबिक, यह चर्चा एससीओ देशों के सीमा सेवाओं के प्रमुखों की 12वीं बैठक के दौरान हुई, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान ने की। बैठक का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा हालात का जायजा लेना और उभरते खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करना था।

पुंछ में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 5 किलो हेरोइन बरामद, एक गिरफ्तार

पुंछ (जम्मू कश्मीर), (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में नियंत्रण रेखा के नजदीक सटे गांव कोसैलियां में शनिवार को सुरक्षा बलों ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है. भारतीय सेना और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई छापेमारी में लगभग 5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है. मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारतीय सेना और पुलिस ने कोसैलियां गांव में एक तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान स्थानीय निवासी मुनीर हुसैन के घर पर छापा मारा गया. घर की तलाशी के दौरान पुलिस ने 5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की।

पुलिस ने मौके से मुनीर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया है. उसके खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह खेप कहां से आई थी और इसके तार किन-किन तस्करों से जुड़े हैं.सीमा पार से तस्करी करके लाई गई हेरोइन को अंदरूनी इलाकों में ले जाया जाना था. अधिकारियों ने बताया कि बरामद हेरोइन की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपये से अधिक है, जो इसे हाल के सालों में बॉर्डर जिले में सबसे बड़ी ड्रग बरामदगी में से है।

अहमदाबाद की पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, आठ लोगों की मौत, 15 से ज्यादा घायल

अहमदाबाद (आरएनएस)। अहमदाबाद के महमूदपुरा में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से आठ लोगों की मौत की खबर सामने आई है. वहीं 15 से अधिक लोग जख्मी बताए गए हैं. महापौर और मनपा आयुक्त घटनास्थल पर पहुंचे चुके हैं. पटाखा फैक्ट्री में आग को बुझाने के लिए भारी मात्रा में दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं. आग इतनी भीषण है कि अंदर फंसे लोगों को बचाने लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है. शुरुआती जानकारी के अनुसार, आज दोपहर शहर के वस्त्रा क्षेत्र में रामोल-गतराद रोड पर स्थित महमूदपुरा टैलेंट फायरवर्क्स फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से आग लग गई. पटाखों का कारखाना होने की वजह से आग ने तेज से भयंकर रूप ले लिया है. आग ने देखते ही देखते पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया है।

दूसरी ओर, घटना की सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों और एम्बुलेंस समेत एक काफिला तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा. शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो चुकी है.12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. फिलहाल दमकल कर्मी पानी की बौछार से आग पर काबू को करने का प्रयास हो रहा है।

घटनास्थल आरएएफ कैंप के पीछे वस्त्राल के करीब बताया गया है. फायर कर्मचारी आग पर लगभग काबू पा लिया है. यह आग काफी कम ऐरिया में चल रही थी. महापौर ने जानकारी दी कि घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए भेज दिया गया है. यह फैक्ट्री झोपड़ी जैसी जगह पर चल रही थी. इसके कारण आग लगी. आग की भयावहता को देखकर मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में कार्तिक आर्यन और ममूटी ने रचा इतिहास, यामी गौतम बनीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

मुंबई(ए.)। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा शनिवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में की गई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और मलयालम सिनेमा के दिग्गज ममूटी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार से सम्मानित किया गया।ममूटी को फिल्म 'ब्रह्मयुगम' के लिए यह पुरस्कार मिला, जबकि कार्तिक को खेल पर आधारित बायोपिक 'चंदू चैंपियन' में उनके अभिनय के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, अभिनेत्री यामी गौतम को फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया। मल्टीस्टारर फिल्म 'कल्कि 2898 ईस्वी' को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म घोषित किया गया।राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला। निर्देशक सुकुमार को 'पुष्पा 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। संगीतकार शाश्वत सचदेव को 'आर्टिकल 370' के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन का पुरस्कार 'कल्कि 2898 ईस्वी' को मिला, जबकि 'स्त्री 2' को सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार दिया गया। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2024 में भारतीय सिनेमा में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा की गई। पुरस्कारों का मूल्यांकन 11 सदस्यीय केंद्रीय जूरी द्वारा किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात मलयालम फिल्म निर्माता जयराज ने की। जयराज ने देश भर से प्राप्त प्रविष्टियों की समीक्षा करने के बाद अंतिम चयन प्रक्रिया का संचालन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा किया जाता है और इसमें एक सुव्यवस्थित निर्णायक मंडल होता है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य सार्वजनिक पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर, औपचारिक प्रस्तुति को बनाए रखते हुए भारतीय सिनेमा की कलात्मक और तकनीकी उपलब्धियों का सम्मान करना है। राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह की तिथि अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन यह समारोह विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होने की उम्मीद है, जहां पारंपरिक रूप से भारत के राष्ट्रपति विजेताओं को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार एलओसी पर हुई भारी गोलीबारी, पाकिस्तान को भारतीय सैनिकों ने दिया मुंहतोड़ जवाब

राजौरी,(आरएनएस)। पाकिस्तान ने एक बार फिर से सीजफायर का उल्लंघन कर दिया है. शुक्रवार रात पाकिस्तानी सैनिकों ने एलओसी पर फायरिंग की. हालांकि, भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सैनिकों की इस कायराना हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दिया. कहा जा रहा है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने फायरिंग के लिए छोटे हथियारों का इस्तेमाल किया था. भारत सैन्य अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना ने ये फायरिंग पीओके में जारी संघर्ष से ध्यान भटकाने के लिए किया है. घटना कश्मीर के राजौरी जिले की है. सैन्य अधिकारियों के अनुसार, राजौरी के तरकुंडी सेक्टर में रात करीब 11 बजे गोलीबारी शुरू कर दी. भारतीय पक्ष ने गोलीबारी को उकसावा माना और संयम बरता, हालांकि गोलीबारी जब तेज होने लगी तो उन्होंने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया. देर रात तक पाकिस्तानियों ने रुक-रुककर फायरिंग की.सैन्य अधिकारियों की स्थिति पर कड़ी नजरें हैं. पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारी गोलीबारी हुई थी. ऑपरेशन सिंदूर के बाद गोलीबारी जरूर एलओसी से हीं हुई लेकिन पाकिस्तान ने घुसपैठ के पूरे प्रयास किए. हालांकि सेना की मुस्तैदी ने उन्हें नाकाम कर दिया. भारतीय सेना ने आशंकाओं के बीच सीमाओं की निगरानी बढ़ा दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मंत्रि-परिषद् बैठक और विधानसभा सत्र की तैयारियों की समीक्षा

19 जुलाई को ग्राम जगदीशपुर में होगी मंत्रि–परिषद् की बैठक

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में एक उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार, 19 जुलाई को भोपाल जिले के ग्राम जगदीशपुर के पुरातात्विक धरोहर स्थल में होने वाली मंत्रि–परिषद् की बैठक एवं सोमवार, 20 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि–परिषद् की बैठक में अनुमोदन के लिए लाये जाने वाले विधेयक प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं संसदीय कार्य अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एवं संस्कृति शिवशेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेन्द्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सहित सचिव, अपर सचिव एवं उप सचिव स्तर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

भोपाल में डेढ़ लाख की स्मैक समेत दो तस्कर गिरफ्तार

भोपाल(आरएनएस)। टीलाजमालपुरा पुलिस ने शनिवार सुबह कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 9 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली थी कि इमामी गेट क्षेत्र में एक युवक संदिग्ध अवस्था में मादक पदार्थ लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वरुण दांगी को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 9 ग्राम स्मैक बरामद हुई।पूछताछ में वरुण दांगी ने पुलिस को बताया कि वह यह स्मैक लांबाखेड़ा निवासी अनुज साहू से लेकर आया था।

विरोध के बाद खुली शराब दुकान, 2 दिन का आश्वासन

भोपाल के रविंद्र भवन के पास शिफ्ट; लोग बोले– रात में हुड़दंग हुआ

भोपाल(आरएनएस)। पॉलीटेक्निक चौराहे के पास प्रोफेसर कॉलोनी में शराब दुकान थी। इसे लेकर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। इसके चलते शुक्रवार को यह दुकान करीब 300 मीटर दूर रविंद्र भवन के पास नाले किनारे शिफ्ट कर दी गई।इस नाले के ऊपर सीमेंट क्रांकीट का स्लैब बनाया गया था। यहीं पर शराब की टीनशेड नुमा दुकान रख दी गई और शराब बेची भी जा रही थी। इसे लेकर पूरे दिन हंगामा हुआ। प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोग यहां से हटे। शनिवार को दुकान खोली गई, लेकिन लोगों का विरोध जारी रहा।

गर्वनर हाउस के सामने ही दुकान

कांग्रेस नेता शोएब खान ने बताया कि दुकान लोकभवन (गर्वनर हाउस) के सामने ही खुली है। रविंद्र भवन समेत कई सरकारी दफ्तर पास में है। पास में रहवासी इलाका है। जहां की महिलाएं आना–जाना करती हैं। शनिवार को भी महिला–बच्चे जब दुकान के सामने से गुजरे तो शराबी बाहर हुड़दंग करते हुए नजर आए। वहीं, रात में एक व्यक्ति शराब के नशे में नग्न हालत में पड़ा रहा।दो दिन के बाद फिर प्रदर्शन करेंगे खान ने कहा कि दो दिन में यदि दुकान नहीं हटी तो फिर से प्रदर्शन करेंगे।

लगातार तकनीकी दिक्कतों से समग्र पोर्टल प्रभावित, ई-केवाईसी सहित कई सेवाएं ठप होने से नागरिक परेशान

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश सरकार का समग्र पोर्टल पिछले लगभग दो सप्ताह से तकनीकी समस्याओं का सामना कर रहा है, जिससे प्रदेशभर में हजारों नागरिकों के जरूरी ऑनलाइन कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सर्वर में बार–बार आ रही खराबी के कारण नए समग्र आईडी बनवाने, परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने, ई–केवाईसी, राशन कार्ड, खाद्य पात्रता पर्ची, आयुष्मान कार्ड सत्यापन, छात्रवृत्ति, फैक्ट्री पंजीयन, पेंशन और अन्य ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इस समस्या का सबसे अधिक असर विद्यार्थियों और आम नागरिकों पर पड़ रहा है। दस्तावेजों का सत्यापन और अपडेट नहीं होने से प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति आवेदन तथा अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़े कार्य अटक रहे हैं। भोपाल सहित प्रदेश के अनेक जिलों में लोग रोजाना लोक सेवा केंद्रों, कियोस्क संचालकों और ऑनलाइन सेवा केंद्रों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण उन्हें बिना काम के वापस लौटना पड़ रहा है। कियोस्क संचालकों का कहना है कि पोर्टल बीच–बीच में कुछ मिनटों के लिए चालू होता है, लेकिन आवेदन सबमिट करते समय सर्वर व्यस्त है या ओटीपी प्राप्त नहीं हुआ जैसे संदेश आने से प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इससे एक ही आवेदन को कई बार भरना पड़ रहा है, जिससे नागरिकों और संचालकों दोनों का समय और संसाधन व्यर्थ हो रहे हैं। ई–केवाईसी लंबित रहने के कारण कई हितग्राही विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। नागरिकों ने शासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि समय पोर्टल की तकनीकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि लंबित कार्य समय पर पूरे हो सकें और आम लोगों को राहत मिल सके।

जेल महानिदेशक डॉ वरुण कपूर द्वारा शाजापुर जिला जेल का सघन निरीक्षण

भोपाल (ए.)। महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएँ, मध्यप्रदेश, भोपाल डॉ. वरुण कपूर (आईपीएस) द्वारा दिनांक 17 जुलाई 2026 को जिला जेल, शाजापुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, साफ–सफाई, बंदियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा समग्र प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया तथा व्यबवस्थाधओं पर प्रसन्ननता व्यंक्तक करते हुए संबंधित अधिकारियों को जेलों की सुरक्षा व्य वस्थास को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि जेलों की सुरक्षा व्यवस्था जेल विभाग का प्रथम दायित्व है, इसलिए सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी एवं सतत पालन सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान डॉ. कपूर ने बंदियों के सुधार, पुनर्वास एवं जेल व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार हेतु किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की जानकारी दी। जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों ने किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होना बताया गया तथा जेल विभाग द्वारा उनके कल्याण एवं सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्न त होने पर उप अधीक्षक एस. के. मण्डलेकर के कंधे पर अशोक स्तंभ, प्रमुख मुख्य प्रहरी बी. एल. चौधरी के कंधे पर एक स्टार, तथा मुख्य प्रहरी श्रीमती रेशमा भाभर, श्रीमती मालती अम्रतफले एवं आबिद अंसारी के बाजू पर तीन फीती लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया। तत्पश्चात महानिदेशक महोदय ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जेल परिसर में पौधारोपण किया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं प्रकृति संवर्धन का संकल्प दिलाया।

कोलार में निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

भोपाल (ए.)। अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) कोलार द्वारा 19 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा दोपहर 2 बजे सर्वोधर्म पुल से प्रारंभ होकर मानसरोवर डेंटल कॉलेज होते हुए इस्कॉन श्रीश्री राधा गोविंद मंदिर, कोलार में सम्पन्न होगी।

इस्कॉन कोलार के अध्यक्ष सार्थक दास ने बताया कि रथयात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरवासियों को भगवान जगन्नाथ के दर्शन एवं हरिनाम संकीर्तन से जोड़ना भी है। यात्रा के दौरान उज्जैन, विदिशा और इंदौर सहित विभिन्न स्थानों से आए श्रद्धालु संकीर्तन करेंगे। श्रद्धालु पूरे मार्ग में हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे का सामूहिक कीर्तन करेंगे।

विधायक भगवानदास सबनानी ने विद्यार्थियों को बांटे स्कूल बैग

सांई पब्लिक स्कूल, नया बसेरा में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों के चेहरों पर दिखी खुशी

भोपाल, संदीप पंडा। दक्षिण–पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के नया बसेरा स्थित साईं पब्लिक स्कूल में छात्र–छात्राओं के लिए स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा शिक्षा के प्रति समर्पण और नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को मिल रहा जनसमर्थन, तीसरे दिन प्रदेशभर में 1100 से अधिक कार्यक्रम आयोजित

2 लाख 7 हजार से अधिक लोगों तक पहुँची मध्यप्रदेश पुलिस, विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से नशामुक्ति जनआंदोलन को मिल रही नई गति

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान लगातार व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। अभियान के तीसरे दिन प्रदेश के सभी जिलों में 1100 से अधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से 2 लाख 70 हजार से अधिक नागरिकों, युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया। यह अभियान केवल पुलिस तक सीमित न रहकर अब एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। अभियान में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग सहित विभिन्न शासकीय विभाग सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं। वहीं अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता से अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर के स्कूलों, महाविद्यालयों एवं छात्रावासों में विद्यार्थियों को लघु फिल्मों, रील्स एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों को सामूहिक नशामुक्ति शपथ दिलाई गई तथा अनेक स्थानों पर ऑनलाइन प्लेज के माध्यम से डिजिटल प्रमाण–पत्र भी प्रदान किए गए। जन–जागरूकता के लिए बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौराहों एवं हाट–बाजारों में जनसंवाद, नुक्कड़ नाटक, रैलियां एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कई जिलों में कचरा वाहनों के पीए सिस्टम, शहरों की एलईडी स्क्रीन तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी नशामुक्ति संदेशों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न जिलों में अनेक नवाचार भी देखने को मिले। इंदौर में लगभग 1 लाख 75 हजार लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया। यहां जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाई गई, नार्को हेल्पलाइन का शुभारंभ हुआ तथा डीसीपी क्राइम द्वारा गाया गया विशेष जागरूकता गीत भैया, नशे से दूरी है ज़रूरी... लॉन्च किया गया।

भोपाल में निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई तेज, कई क्षेत्रों से ठेले-गुमठियां हटाईं, सामान जब्त

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई करते हुए सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण हटाए। इस दौरान ठेले, गुमठियां, पान पार्लर, कैरेड, बोर्ड, दुकानों के बाहर रखा सामान तथा आवागमन में बाधा बन रहे वाहनों को हटाया गया। अभियान के दौरान कई सामान भी जब्त किए गए।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन, महापौर हेल्पलाइन और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण के साथ–साथ नियमित अभियान के तहत की। कार्रवाई कोलार रोड, सर्वधर्म कॉलोनी, चूनाभट्टी, ललिता नगर, डी–मार्ट, जेके अस्पताल, सनखेड़ी, शिवाजी नगर, रेडक्रॉस अस्पताल, माचना कॉलोनी, भदभदा चौराहा, सूरज नगर, टीटी नगर, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, रोशनपुरा, भारत माता चौराहा, सैर सपाटा, लिंक रोड क्रमांक–1, 2 और 3, नेहरू नगर, बिट्टन मार्केट, सात नंबर बस स्टॉप, इंद्रपुरी, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, रायसेन रोड, अशोका गार्डन, हमीदिया रोड, भोपाल टॉकीज, कोहेफिजा, जहांगीराबाद, कमला पार्क, पॉलीटेक्निक और रवींद्र भवन सहित कई इलाकों में की गई।

सब्जी मंडी तक जाने वाला मार्ग जर्जर, नागरिकों ने शीघ्र मरम्मत की मांग की

भोपाल (ए.)। सीहोर नाका स्थित भवानी नगर की सब्जी मंडी तक पहुंचने वाला मार्ग लंबे समय से खराब होने के कारण स्थानीय लोगों, व्यापारियों और ग्राहकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति से रोजमर्रा की आवाजाही प्रभावित हो रही है। संतोष व्यवसाय मंडल मंडी यूनियन ने नगर निगम से शीघ्र सड़क निर्माण कराने की मांग की है। यूनियन के पदाधिकारियों का कहना है कि सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हुआ है, जिससे व्यापार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। पार्षद राजेश हिंगोरानी ने बताया कि निर्माण कार्य स्वीकृत है और जल्द ही शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन दिनों शहर के कई स्थानों पर मेट्रो परियोजना के कारण यातायात और सड़क व्यवस्था प्रभावित हुई है, फिर भी संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर इस सड़क का निर्माण कराना चाहिए।

इलाज का पर्चा फेंकते हुए बोली, इसकी एंट्री नहीं करुंगीः मां का इलाज कराने पहुंचे युवक की शिकायत, कहा-अटेंडर से माफी मंगवाई

भोपाल(आरएनएस)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) भोपाल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में मरीज के परिजन के साथ कथित अभद्रता का मामला सामने आया है। मरीज के परिजन ने इसकी कार्यकारी निदेशक को लिखित शिकायत देकर मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रो. डॉ. आकांक्षा चौधरी, ऑपरेटर निधि और अटेंडर अशोक पर दुर्व्यवहार करने, अपमानित करने और इलाज की प्रक्रिया में बाधा डालने के आरोप लगाए हैं। शिकायत मिलने के बाद एम्स प्रबंधन ने मामले की जांच कराने की बात कही है।शिकायतकर्ता विशाल पांडे ने बताया कि वह अपनी मां का इलाज कराने मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग पहुंचे थे। उनका आरोप है कि शुरुआत से ही विभाग में तैनात अटेंडर अशोक ने उनसे अभद्र भाषा में बात की। विरोध करने पर वहां मौजूद ऑपरेटर निधि और प्रो. डॉ. आकांक्षा चौधरी ने अटेंडर का पक्ष लिया और उनसे अटेंडर से माफी मांगने के लिए कहा। शिकायत के अनुसार ऑपरेटर लगातार उन्हें कमरे से बाहर जाने के लिए भी कहती रही।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डॉ. आकांक्षा चौधरी ने उनसे पर्चे पर यह लिखवाया कि वह अपनी माताजी का इलाज कराने आए हैं। इसके बाद ऑपरेटर निधि ने कथित तौर पर इलाज का पर्चा फेंकते हुए कहा, इसकी एंट्री नहीं करूंगी।शिकायतकर्ता का कहना है कि यह पूरा घटनाक्रम डॉक्टर की मौजूदगी और उनकी सहमति से हुआ। विशाल पांडे ने शिकायत में कहा है कि एम्स जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में मरीजों और उनके परिजनों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाज कराने आए लोगों के साथ इस प्रकार का व्यवहार अस्वीकार्य है। उन्होंने कार्यकारी निदेशक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित डॉक्टर और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में एम्स भोपाल प्रबंधन का कहना है कि 17 जुलाई को शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायत की जांच कराई जाएगी।

इटारसी स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध वेंडिंग के विरुद्ध आरपीएफ की सघन कार्रवाई

आधुनिक तकनीक के उपयोग से निगरानी और प्रवर्तन हुआ अधिक प्रभावी

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे परिसरों में सुव्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध वेंडिंग पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा इटारसी स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान में अत्याधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग करते हुए निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया है। आरपीएफ इटारसी द्वारा सीसीटीवी कैमरे, स्टैंड–अलोन सर्विलांस कैमरे, बॉडी वॉर्न कैमरे (B W C) तथा ड्रोन सर्विलांस का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इन माध्यमों से रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, कोचिंग यार्ड एवं संवेदनशील बाहरी क्षेत्रों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज का नियमित विश्लेषण कर आदतन अपराधियों तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है, जिससे समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। रेलवे ट्रैक से लगे नाला मोहल्ला, गरीबी लाइन, बंगालिया नाला, हनुमान मंदिर कॉलोनी एवं एफसीआई गोदाम क्षेत्र का ड्रोन के माध्यम से नियमित सर्वेक्षण एवं मैपिंग की जा रही है। इससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सहायता मिल रही है। वहीं, पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा ड्यूटी के दौरान आरपीएफ कर्मियों को निराधार शिकायतों एवं झूठे आरोपों से संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से संवेदनशील स्थानों पर तैनात कर्मचारियों को बॉडी वॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं।

अवैध वेंडिंग के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

आरपीएफ इटारसी द्वारा वर्ष 2025 के दौरान 5,412 अवैध वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। वहीं, वर्ष 2026 में 15 जुलाई 2026 तक 2,909 अवैध वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। इस अवधि में 20 जून से 15 जुलाई 2026 के मध्य जन विश्वास अधिनियम के अंतर्गत 401 मामलों का निस्तारण भी किया गया।

संयुक्त विशेष अभियान में उल्लेखनीय सफलता

07 जुलाई से 13 जुलाई 2026 तक आरपीएफ एवं जीआरपी द्वारा संयुक्त विशेष अभियान संचालित किया गया। इस अभियान की निगरानी सहायक सुरक्षा आयुक्त एम.के. मुखर्जी तथा उप पुलिस अधीक्षक (रेल) एम.एस. कुल्हारा द्वारा स्वयं इटारसी में कैंप कर की गई। अभियान के दौरान— रेलवे अधिनियम की धारा 144 के अंतर्गत 148 अवैध वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। रेलवे अधिनियम की धारा 147 के अंतर्गत 59 अनियमित यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त आरपीएफ एवं वाणिज्य विभाग द्वारा अधिकृत स्टॉल संचालकों के माध्यम से की जा रही अनुबंध उल्लंघन संबंधी गतिविधियों तथा अवैध वेंडिंग के विरुद्ध भी नियमित संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों के अंतर्गत रेलवे अधिनियम की धारा 144 में 408 मामलों में कार्रवाई की गई, जिनमें 46 मामलों का निस्तारण जन विश्वास अधिनियम के अंतर्गत किया गया। अधिकृत स्टॉल संचालकों से संबंधित अनियमितताओं को भी नियमित रूप से वाणिज्य विभाग के संज्ञान में लाया जा रहा है। तकनीकी निगरानी के माध्यम से अब तक 177 मामलों का सफलतापूर्वक पता लगाया जा चुका है, जिनमें सीसीटीवी, स्टैंड–अलोन कैमरों एवं ड्रोन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि आरपीएफ भोपाल मंडल यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे परिसरों में कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए भविष्य में भी आधुनिक तकनीकों के अधिकाधिक उपयोग, निगरानी संसाधनों के विस्तार एवं कर्मचारियों के नियमित तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं सहायक उप निरीक्षक (अ) भर्ती प्रक्रिया पूर्ण

438 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन

भोपाल (ए.)। पुलिस विभाग में लगभग 08 वर्षों से स्टेनोग्राफर एवं कार्यालयीन स्टाफ की भर्ती नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त थे। इन रिक्तियों की पूर्ति हेतु वर्ष 2025 में पुलिस मुख्यालय द्वारा शासन को भर्ती का प्रस्ताव भेजा गया। प्रस्ताव पर त्वरित निर्णय लेते हुए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 100 सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं 400 सहायक उप निरीक्षक (अ) के कुल 500 पदों पर भर्ती की स्वीकृति प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप यह भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ESB) द्वारा आयोजित सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं सहायक उप निरीक्षक (अ) भर्ती परीक्षा–2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस परिणाम के अनुसार कुल 438 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन किया गया है। माननीय न्यायालय के आदेशानुसार कुल 13 प्रतिशत पदों का परिणाम फिलहाल होल्ड रखा गया है। न्यायालयीन निर्देशों के अनुरूप इन पदों पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अंतिम चयन सूची के अनुसार सूबेदार (अ) (स्टेनो) के 88 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 30 महिला एवं 58 पुरुष शामिल हैं। इसी प्रकार सहायक उप निरीक्षक (अ) के 350 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जिनमें 122 महिला एवं 228 पुरुष अभ्यर्थी सम्मिलित हैं। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 19 सितम्बर 2025 को विज्ञापन जारी किया गया था। कुल 500 पदों 6100 सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं 400 सहायक उप निरीक्षक (अ)8 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए। आवेदन प्रक्रिया 03 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक संचालित हुई, जबकि ऑनलाइन लिखित परीक्षा 17 एवं 18 दिसम्बर 2025 को आयोजित की गई। लिखित परीक्षा का परिणाम 17 फरवरी 2026 को घोषित किया गया। इसके पश्चात 02 से 04 जून 2026 तक हिंदी टंकण, शीघ्र लेखन एवं दस्तावेज परीक्षण किया गया। लिखित एवं व्यावहारिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार कर श्रेणीवार अंतिम चयन सूची जारी की गई।

VIP काफिले में पीछे छूट गए मंत्री, सीएम के हेलीकॉप्टर पर सवार होने के लिए लगानी पड़ गई दौड़

टीकमगढ़ (ए.) । टीकमगढ़ से एक बेहद दिलचस्प और हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के हेलीकॉप्टर में बैठने के लिए राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार को दौड़ लगानी पड़ी। अब इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर जमकर चटखारे ले रहे हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री मोहन यादव टीकमगढ़ में कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री को हेलीकॉप्टर से खजुराहो के लिए रवाना होना था। मुख्यमंत्री अपने लाव-लश्कर के साथ हेलीपैड पहुंचे और हेलीकॉप्टर में सवार हो गए। रवानगी का समय होने के कारण हेलीकॉप्टर के पंखे (रॉटर) भी घूमने शुरू हो चुके थे।

काफिले में पीछे छूट गए थे मंत्री

इसी दौरान राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार वीआईपी काफिले में थोड़े पीछे रह गए थे। जब उन्हें अहसास हुआ कि मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ान भरने ही वाला है और वह पीछे छूट रहे हैं, तो उन्होंने आव देखा न ताव और हेलीपैड की तरफ दौड़ लगा दी।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार कुर्ता-पायजामा पहने पूरी ताकत से हेलीकॉप्टर की तरफ भाग रहे हैं। उनके पीछे उनके सुरक्षाकर्मी भी दिख रहे दौड़ते नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर बटोर रहा सुर्खियां

आमतौर पर मंत्रियों के आगे-पीछे सुरक्षाकर्मियों और अफसरों की फौज दौड़ती है, लेकिन यहां खुद मंत्री जी को दौड़ते देख वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। किसी ने इस पूरे वीडियो बना लिया, जो अब इंटरनेट पर जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। गनीमत रही कि मंत्री जी समय रहते हेलीकॉप्टर तक पहुंच गए और सुरक्षित सवार होकर मुख्यमंत्री के साथ रवाना हो गए।

तीन करोड़ का डोडा चूरा पकड़ा, भागती तस्करों की कार ने मचाई तबाही; दंपती की मौत, मासूम घायल

गुना (ए.)। गुना में शुक्रवार शाम नशे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के बीच दर्दनाक हादसा हो गया। कैंट थाना क्षेत्र के मावन गांव में डोडा चूरा से भरे ट्रक को पकड़ने पहुंची नीमच नारकोटिक्स टीम को देखकर भाग रही तस्करों की एस्कॉर्ट कार ने कहर बरपा दिया। तेज रफ्तार कार ने पहले बाइक सवार एक परिवार को कुचला, फिर दूसरी बाइक और सड़क किनारे खड़े लोगों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

जांच में 25 से 30 क्विंटल डोडा चूरा बरामद

नारकोटिक्स विभाग को इनपुट मिला था कि झारखंड से लाया जा रहा डोडा चूरा का बड़ा खेप गुना होते हुए राजस्थान भेजा जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने मावन पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी की। वहां डीजल भरवा रहे एक ट्रक को रोककर जांच की गई तो उसमें करीब 25 से 30 क्विंटल डोडा चूरा बरामद हुआ। बरामद माल की बाजार कीमत लगभग 3 करोड़ रुपये आंकी गई है।

होटल के सोलर पैनल अनुमति के बदले मांगी 80 हजार रुपये की रिश्वत, लोकायुक्त ने 40 हजार लेते JE को पकड़ा

इंदौर (ए.)। इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने विद्युत विभाग के एक कनिष्ठ यंत्री (जूनियर इंजीनियर) को 40 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। अधिकारी पर आरोप है कि उसने सोलर पैनल लगाने की फाइल आगे बढ़ाने के एवज में 80 हजार की रिश्वत मांगी थी। मामले में पहली किश्त के रूप में 40 हजार रुपए लेते समय लोकायुक्त की टीम ने कार्रवाई की।

लोकायुक्त निरीक्षक सचिन पटेरिया के अनुसार, कुलकर्णी का भट्टा निवासी होटल कारोबारी शिव प्रकाश बसवाल ने लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय से शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि मारुति नगर के पास स्थित जीआर-7 होटल की इमारत पर सोलर पैनल लगाने के लिए फाइल तैयार की गई थी। इस फाइल को आगे बढ़ाने और प्रक्रिया पूरी करने के लिए सुखलिया जोन के विद्युत विभाग में पदस्थ कनिष्ठ यंत्री नमेश कुमार भौंडेकर ने 80 हजार की रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने ट्रैप की योजना बनाई। तय योजना के अनुसार, फरियादी से 40 हजार की पहली किश्त लेते समय अधिकारी को उसके कार्यालय में ही पकड़ लिया गया। फिलहाल लोकायुक्त टीम मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही संबंधित दस्तावेजों की जांच भी की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि आगे चलकर अधिकारी की संपत्ति की भी जांच की जा सकती है।

रिटायर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से एक महीने तक कराया काम, मानदेय भी नहीं दिए; कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए

उज्जैन (ए.)। महिला एवं बाल विकास विभाग की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। आरोप है कि 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो चुकी एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से 31 मार्च तक बिना मानदेय के काम कराया गया। जब उन्होंने मानदेय की मांग की तो ऑनलाइन सिस्टम ने भुगतान से इनकार कर दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत के बाद कलेक्टर ने संबंधित सीडीपीओ (CDPO) का वेतन काटकर भुगतान करने के आदेश दिए, लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी पीड़ित कार्यकर्ता को राशि नहीं मिली।

मामला उज्जैन ग्रामीण परियोजना के ग्राम नलवा का है। यहां पदस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उषा वर्मा 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो गई थीं। नियमानुसार 1 मार्च से उन्हें आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्य नहीं करना था। आरोप है कि उज्जैन ग्रामीण की सीडीपीओ नीलम सेठिया ने उनसे 31 मार्च तक लगातार ड्यूटी करवाई। अधिकारी के निर्देश पर उषा वर्मा काम करती रहीं, लेकिन जब करीब 15 हजार रुपये मानदेय देने की बारी आई तो ऑनलाइन पोर्टल में उन्हें सेवानिवृत्त दर्शाते हुए भुगतान रोक दिया गया।

अपना हक पाने के लिए उषा वर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लिया। टीएल बैठक में उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी को फटकार लगाई और 13 जुलाई 2026 को संबंधित सीडीपीओ नीलम सेठिया का वेतन काटकर उषा वर्मा को मानदेय देने के निर्देश दिए।

इंदौर में अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर, खजराना क्षेत्र में 50 से ज्यादा झोपड़े और 8 दुकानें ध्वस्त

इंदौर(ए.)। इंदौर में नगर निगम और जिला प्रशासन ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। खजराना में नाहर शाहवली दरगाह के सामने 50 से ज्यादा झोपड़े, 15 शेड, 8 बड़ी दुकानें और 3 अवैध मकानों को तोड़ा गया। कई वर्षों से लोगों ने खाली सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा था। कुछ अतिक्रमणकर्ताओं ने दुकानों और शेड को किराए पर देकर मोटा मुनाफा कमाया। सरकारी जमीन पर बने इन निर्माणों को चार जेसीबी और 50 से ज्यादा श्रमिकों की मदद से हटाया गया तथा करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच ओंकारेश्वर-ममलेश्वर मंदिरों में दान का नया रिकॉर्ड, मिले 27.58 लाख रुपये

ओंकारेश्वर (ए.)। भगवान शिव के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं की आस्था दान के रूप में भी झलक रही है। शुक्रवार को श्री ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट और श्री ममलेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति के दानपात्र खोले गए, जिनमें कुल 27 लाख 58 हजार 165 रुपये की दानराशि प्राप्त हुई।

श्री ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के सात दानपात्र तहसीलदार, पटवारी तथा मंदिर के सहायक कार्यपालन अधिकारी की उपस्थिति में खोले गए। मंदिर और बैंक कर्मियों द्वारा की गई गणना में कुल 20 लाख 86 हजार 300 रुपये की दानराशि प्राप्त हुई। ट्रस्ट के अनुसार, इस राशि का उपयोग नियमानुसार मंदिर की व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में किया जाएगा।

वहीं, आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए गठित श्री ममलेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति के पांच दानपात्रों की भी गणना की गई।

पुनासा एसडीएम पंकज वर्मा ने बताया कि 2 जुलाई से 16 जुलाई तक प्राप्त दानराशि की गणना तहसीलदार, जिला कोषालय अधिकारी के प्रतिनिधि, मंदिर कर्मचारियों और बैंक कर्मियों की उपस्थिति में की गई। इस दौरान कुल 6 लाख 71 हजार 865 रुपये की दान राशि प्राप्त हुई।

मंदिर प्रबंधन समिति ने क्या बताया?

मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार, ममलेश्वर मंदिर में प्राप्त दानराशि का उपयोग श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार और मंदिर परिसर के विकास कार्यों में किया जा रहा है। वर्तमान में दानराशि से राशि गणना के लिए टीन शेड, मंदिर परिसर में सुरक्षित रखी गई प्राचीन मूर्तियों के संरक्षण हेतु टीन शेड, स्टील रेलिंग, सीसीटीवी कैमरे, शौचालय एवं सुविधाघर का निर्माण, कर्मचारियों के वेतन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर व्यय किया जा रहा है। श्रावण मास में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए दोनों मंदिरों में व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के साथ श्रद्धालुओं को बेहतर, सुरक्षित और सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है।

एमपी में हद हो गई- दो साल से जेल में बंद शिक्षक का नाम ट्रेनिंग सूची में, बीईओ के हस्ताक्षर से खुली पोल

छिंदवाड़ा (ए.)। छिंदवाड़ा के तामिया का संदीपनी विद्यालय और विकासखंड शिक्षा कार्यालय एक बार फिर विवादों में है। इस बार मामला शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। बीईओ कार्यालय द्वारा जारी सिकल सेल प्रशिक्षण आदेश में पिछले दो वर्षों से जेल में बंद एक शिक्षक की भी ड्यूटी लगा दी गई। आदेश सामने आते ही पूरे शिक्षा महकमे में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

कैसे उजागर हुआ मामला?

जानकारी के अनुसार, बीईओ कार्यालय ने संकुल लहगडुआ में आयोजित सिकल सेल प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों की सूची जारी की। इस सूची में चौथे क्रम पर उस शिक्षक का नाम शामिल है, जो 43 लाख रुपये के चर्चित वित्तीय अनियमितता मामले में पिछले दो वर्षों से जेल में बंद है। हैरानी की बात यह है कि आदेश पर बीईओ के हस्ताक्षर भी हैं और सभी शिक्षकों को निर्धारित समय पर प्रशिक्षण में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि यही संदीपनी विद्यालय हाल ही में एक दिन की अवधि वाला प्राचार्य पद का विज्ञापन जारी होने के कारण भी चर्चा में रहा था। अब इस नए मामले ने विभागीय कार्यप्रणाली पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिक्षक और कर्मचारी भी इस बात को लेकर हैरान हैं कि आखिर जेल में बंद कर्मचारी का नाम प्रशिक्षण सूची में कैसे शामिल हो गया।

43 लाख रुपये के घोटाले से जुड़ा है मामला

उल्लेखनीय है कि तामिया विकासखंड में जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत 43 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया था। कोषालय जांच में सरकारी राशि निजी खातों में स्थानांतरित किए जाने का खुलासा हुआ था। तत्कालीन कलेक्टर के निर्देश पर एक अधिकारी, एक सेवानिवृत्त कर्मचारी, दो बाबुओं सहित कुल छह आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले के मुख्य आरोपी हरिप्रसाद पंद्रे को निलंबित कर दिया गया था और वह वर्तमान में जेल में बंद है। आरोपियों से 43 लाख रुपये की वसूली की कार्रवाई भी की गई थी।

बीईओ ने दी सफाई

मामले में बीईओ बी.के. सानेर ने कहा कि प्रशिक्षण के लिए जारी सूची उनके कार्यालय ने तैयार नहीं की है। उनके अनुसार यह सूची सिकल सेल विभाग की ओर से भेजी गई थी। उन्होंने कहा कि सूची की जांच कराई जा रही है और यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो उसे तत्काल सुधार दिया जाएगा। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि बिना सत्यापन के सूची पर हस्ताक्षर कर आदेश कैसे जारी कर दिया गया। शिक्षा विभाग की इस लापरवाही ने एक बार फिर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्वालियर में सनसनीः पुरानी रंजिश के दौरान हुई फायरिंग, तड़तड़ाहट से गांव में हड़कंप; पुलिस जांच में जुटी

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर शहर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के मैथाना गांव में पुरानी रंजिश एक बार फिर खूनी संघर्ष की कगार पर पहुंच गई। दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुए विवाद के दौरान फायरिंग से पूरे गांव में दहशत फैल गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, मैथाना गांव निवासी क्रेशर संचालक बल्ला किरार और उनके पड़ोसी दुर्गाप्रसाद किरार के परिवार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि कथित तौर पर फायरिंग होने का आरोप लगाया गया।

किस मामले को लेकर चली गोली?

क्रेशर संचालक बल्ला किरार का आरोप है कि दुर्गाप्रसाद किरार और उनके बेटों ने जान से मारने की नीयत से उन पर हमला किया। उनका कहना है कि आरोपियों ने बंदूक और कट्टों से फायरिंग की। बल्ला किरार ने यह भी दावा किया कि इससे पहले भी उनके ऊपर फायरिंग हो चुकी है और दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है।

व्यापार समाचार

RBI की बड़ी तैयारीः देश में अगले साल से आ सकते हैं प्लास्टिक के नोट, 10 और 20 रुपये से होगी शुरुआत

नई दिल्ली(ए.)। भारत में पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट चलन में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। फिलहाल दस व बीस रुपये के प्लास्टिक नोट बाजार में लाए जाएंगे। इसमें सुरक्षा के उन्हीं उन्नत नियमों का पालन किया जाएगा जो कागज के नोट छापने में अपनाए जाते हैं। अगले साल यह नोट बाजार में आ सकते हैं।

रिजर्व बैंक ने पॉलीमर शीट आपूर्ति के लिए निजी कंपनियों को भी आमंत्रित किया है। शुरुआती चरण सफल रहा तो बड़े नोट भी चरणबद्ध तरीके से लाए जाएंगे। इन पॉलीमर नोटों के लिए डिजाइन, आकार व छपाई उसी तरह होगी जैसे कागज के नोट पर होगी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए इन नोटों में विशेष तकनीक अपनाई जाएगी। रिजर्व बैंक के अधिकारियों के मुताबिक पॉलीमर नोटों के प्रचलन में आने की समय सीमा नहीं बताई जा सकती। इतना जरूर है कि पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट लाने का नीतिगत निर्णय हो चुका है और चार चरणों से गुजरने के बाद पॉलीमर नोट छापे जाएंगे।

पतले, लचीले प्लास्टिक सब्सट्रेट से बनेंगे नोट

इस पूरी प्रक्रिया में वक्त लगना स्वाभाविक है। इसमें मौसम, इस्तेमाल के तौर-तरीकों व जनता की सहूलियत का भी ध्यान रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक पहले चरण में कितने नोट तैयार होंगे इसका आकलन बाजार में दस व बीस रुपये मूल्य वर्ग के नोटों की उपलब्धता, एटीएम व बैंकों की जरूरत के हिसाब से तय होगा। यह नोट एक पतले, लचीले प्लास्टिक सब्सट्रेट से बनेंगे। ये क्रेडिट या डेबिट कार्ड की तरह कठोर नहीं हल्के, लचीले होंगे।

पहले भी हो चुकी है कवायद...वर्ष 2012 में भारत सरकार ने मैसूर, जयपुर, भुवनेश्वर और शिमला समेत कुछ शहरों में 10 रुपये के एक अरब पॉलीमर नोटों के परीक्षण को मंजूरी दी थी। लेकिन तकनीकी चुनौतियों के कारण यह पहल आगे नहीं बढ़ सकी।

कटे-फटे नोटों से निजात

लोगों को कटे, फटे व गंदे नोटों से निजात मिलेगी। इसे वह आसानी से ले जा सकेंगे। पॉलीमर करेंसी नोट में नए सुरक्षा फीचर होंगे। इससे नकली नोट तैयार होने की संभावना न के बराबर हो जाएगी। पॉलीमर नोटों में माइक्रो-ऑप्टिक होलोग्राम और विशेष स्याही जैसी उन्नत, सुविधाओं का उपयोग होगा। कागज के मुकाबले इनके निर्माण पर खर्च भी कम आएगा। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड जैसे कई देशों में पॉलीमर नोट कई वर्षों से चलन में हैं।

नोटों की छपाई पर बढ़ रहा खर्च

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, नोटों की छपाई पर व्यय वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 6,372.8 करोड़ रुपये हो गया, यह पिछले वर्ष 5,101.4 करोड़ रुपये था। यह वृद्धि मुख्य रूप से नोटों की बढ़ती मांग के कारण हुई है।

रिलायंस के ओ2सी का बंपर मुनाफा, राजस्व 30 फीसदी बढ़ा

मुंबई (ए.)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के ऑयल-टु-केमिकल्स (ओ2सी) कारोबार ने जून 2026 तिमाही में जोरदार प्रदर्शन किया है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत मार्जिन के दम पर कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 2,01,803 करोड़ रुपये और एबिटा 17 फीसदी बढ़कर 17,010 करोड़ रुपये हो गया। कच्चे तेल की कीमतें, जो होरमुज स्ट्रेट बंद होने से बढ़कर 104.5 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, इस राजस्व वृद्धि का मुख्य कारण रहीं। बेहतर ट्रांसपोर्टेशन फ्यूल क्रैक और डाउनस्ट्रीम मार्जिन ने एबिटा में बढ़ोतरी में योगदान दिया। चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वैश्विक बाधाओं और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के बावजूद इसे शानदार प्रदर्शन बताया। हालांकि, महंगे फीडस्टॉक की खरीद, निर्धारित रखरखाव और बढ़ती माल ढुलाई व बीमा लागत ने मार्जिन पर दबाव डाला। घरेलू बाजार में, आरआईएल ने ईंधन कीमतें स्थिर रखीं और एलपीजी उत्पादन बढ़ाया, जिससे बिक्री में नुकसान हुआ।

इस हफ्ते सोना दो हजार और चांदी में चार हजार रुपए की गिरावट रही

- 24 कैरेट सोना 1.41 लाख, चांदी 2.15 लाख प्रति किलो के

नई दिल्ली (ए.)। इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। भू-राजनीतिक तनाव के बीच 24 कैरेट सोना 2,200 रुपए से अधिक और चांदी 4,900 रुपए से ज्यादा सस्ती हुई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 24 कैरेट सोने का दाम 2,209 रुपए कम होकर 1,41,159 प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो पहले 1,43,368 रुपए था। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,29,302 रुपए और 18 कैरेट सोना 1,05,869 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस हफ्ते सोने का न्यूनतम दाम 17 जुलाई की शाम को 1,41,159 रुपए देखा गया, जबकि उच्चतम दाम 13 जुलाई को सुबह 1,42,289 रुपए रहा। सोने के साथ चांदी में भी 4,917 रुपए की तेज गिरावट दर्ज की गई। चांदी का दाम 2,20,390 रुपए प्रति किलो से गिरकर 2,15,474 रुपए प्रति किलो हो गया। चांदी का उच्चतम दाम 15 जुलाई को सुबह 2,20,391 रुपए और न्यूनतम दाम 17 जुलाई को शाम को 2,15,474 रुपए प्रति किलो रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस और चांदी 57 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है। एक-दूसरे पर लगातार हमलों के चलते वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ी है, जिससे कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव आया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी?

केरल के विझिंजम इंटरनेशनल पोर्ट को लेकर उठा विवाद इस बात की मिसाल है कि भारत में एकाधिकारी पूंजीपति अब किस हद तक राजसत्ता को अपनी मुट्ठी में मानने लगे हैं। घटनाक्रम अपने-आप में सारी कहानी बता देता है। विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का निर्माण अडानी समूह ने किया। कुछ रोज पहले खबर आई कि इस ग्रुप ने इस बंदरगाह में अपनी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी (लगभग 12,000 करोड़ रुपये में) स्विट्जरलैंड की मेडिटेरिनियन शिपिंग कंपनी को बेच दी है। इस पर केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अचरज जताया।

कहा कि अडानी समूह ने राज्य सरकार को बिना सूचित किए इस बड़े सौदे की सार्वजनिक घोषणा कर दी है। जबकि अडानी समूह को परियोजना का निर्माण कार्य इस शर्त पर सौंपा गया था कि 25 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी बेचने के लिए उसे राज्य सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होगी। गौरतलब है कि बंदरगाह का स्वामित्व सरकार के पास है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन (जिनके कार्यकाल में बंदरगाह बना) ने भी पुष्टि की है कि अनुबंध में उपरोक्त शर्त शामिल है। केरल सरकार का कहना है कि विझिंजम एक रणनीतिक बंदरगाह है। एक ही विदेशी शिपिंग कंपनी को इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने से प्रतिस्पर्धा खत्म होने का खतरा है। इससे सुरक्षा संबंधी पहलू भी जुड़े हैं। अत: इतनी बड़ी हिस्सेदारी बेचने से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं जहाजरानी मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी लेना भी आवश्यक है।

इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद बंदरगाह निर्माता कंपनी- अडानी पोर्ट्स ने दावा किया कि अनुबंध से संबंधित किसी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। हिस्सेदारी ट्रांसफर की प्रक्रिया को अंतिम मंजूरी के लिए अब सरकार के पास भेजा गया है। मगर इससे यह साफ हो जाता है कि अडानी ग्रुप आश्वस्त है कि सरकार की मंजूरी उसे मिलनी ही है! यह प्रक्रिया महज रस्म-अदायगी है, जिसे पहले नहीं, तो बाद में पूरा किया जाएगा! बहरहाल, अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल होने वाली शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी?

'जी राम जी' के नाम पर यह कैसी ठगाई!

हरिशंकर व्यास

हिसाब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मनरेगा योजना खत्म करनी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 में उन्होंने कहा था यह योजना कांग्रेस की विफलताओं का जीता-जागता स्मारक है। आजादी के 60 साल बाद भी कांग्रेस गरीबों को गड्ढे खोदने का काम दे रही थी और यह उनकी विफलता को दर्शाता है। पर उसके बाद क्या हुआ? मोदी सरकार ने बिना काम के लोगों को सब्सिडी, पैसा बांटना शुरू किया। कोई सौ करोड़ लोगों को सीधे लाभार्थी बनाया, नोट के बदले वोट की राजनीति पकाई। और इस एक जुलाई को पुरानी मनरेगा योजना का नया नाम 'वीबी जी रामजी' (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण या वीबी जी रामजी) दे कर लागू किया है।

इसमें कहने के लिए कांग्रेस से आगे बढ़ कर एक सौ की बजाय 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई है। लेकिन खर्च का चालीस प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकारों के मत्थे मढ़ दिया है। राज्य सरकारें पहले से ही वित्तीय संकट में है। केंद्र सरकार खुद बुरी दशा में है और वह राज्यों को उनके हक का पैसा देने में भी कंजूसी, टालमटोल का रवैया अपनाए हुए है। मार्च 2026 तक राज्यों को केंद्र की कोई 17 हजार करोड़ रुपए की देनदारी थी, जिसमें 78 सौ करोड़ रुपए मनरेगा मजूदरी के थे। अब एक जुलाई से केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदल कर जी राम जी कर गांव-देहात के राम, राम सा बोलने वाले लोगों में नई ब्रांडिंग शुरू की है। पर असल में उसके पीछे होगा क्या? हाल में मुझे देहात में नई रियलिटी मिली। खेतीहर घर के एक माली का बताना था किसान सब्सिडी के दो हजार रुपए तो आ गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री ऐसा निकम्मा है जो उसके साथ राज्य से आने वाले हजार रुपए अभी तक नहीं भेजे। फिर अपनी जीविका का ब्योरा देते हुए बताया बुढ़िया (मां) गांव ही रहती है, मनरेगा में रजिस्टर्ड है, तीन सौ रुपए के हिसाब से दस-पंद्रह दिन का काम हर महीने आ जाता है। पर अब बता रहे है नई 'जी राम जी' नाम से नया कुछ हो रहा है। पता नहीं आगे क्या हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी पेंशनरों को सौगात

डॉ. चन्दर सोनाने

आखिरकार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 साल से चली आ रही पेंशनरों की मांग को मान लिया और उन्होंने पेंशनरों को देय मंहगाई राहत में वृद्धि के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य से सहमति लेने की प्रचलित परंपरा को खत्म कर दिया। अब मध्यप्रदेश के और छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों को राज्य शासन द्वारा बढ़ाई गई महंगाई राहत तुरंत मिल सकेगी। इस निर्णय में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की भी अहम भूमिका है।

मध्यप्रदेश के वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनीष रस्तोगी और छत्तीसगढ़ राज्य के वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव द्वारा संयुक्त रूप से जारी आदेश में कहा गया है कि मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों को देय महंगाई राहत में वृद्धि के संबंध में वर्तमान में प्रचलित पारस्परिक सहमति की प्रक्रिया है। उक्त प्रक्रिया पर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुनर्विचार किया गया तथा प्रशासनिक सुगमता एवं पेंशनरों के हित को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए हैं- (क) महंगाई राहत घोषित करने हेतु दूसरे राज्य की सहमति प्राप्त करने की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए। (ख) पेशनरों को देय पेंशन राहत में वृद्धि हेतु विधायी संशोधन के स्थान पर दोनों राज्यों द्वारा सीधे कार्यकारी आदेश जारी करेंगे। (ग) राज्यों के आदेश से वृद्धि के फलस्वरूप पड़ने वाले वित्तीय भार के संबंध में मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ शासन को सूचना हेतु पत्र प्रेषित किया जायेगा। (घ) कोई भी राज्य केन्द्र सरकार द्वारा घोषित मंहगाई राहत की दरों से अणिक दर घोषित नहीं करेगा। उक्त आदेश जारी होने की दिनांक से प्रभावशील रहेगा। मध्यप्रदेश शासन के वित्त विभाग द्वारा उक्त आदेश 17 जुलाई 2026 को जारी किया गया। इस आदेश के दूरगामी परिणाम होंगे। पहले दोनों राज्य सरकार जब भी अपने कर्मचारियों के लिए महंगााई भत्ता घोषित करती थी तो आदेश के दिनांक से कर्मचारियों को मंहगाई भत्ते का लाभ मिल जाया करता था। किन्तु पेंशनरों की महंगाई राहत की दरों में वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति मांगती थी। इसमें कई महीनों का समय लग जाता था। और जब भी छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति प्राप्त होती थी, उस दिनांक से मध्यप्रदेश सरकार मंहगाई राहत का आदेश जारी करती थी। इसमें होता यह था कि जब भी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता मिलता था तो उसके कई महीनों बाद पेशनरों को महंगाई राहत मिल पाती थी। इससे पेंशनरों का काफी आर्थिक नुकसान होता था। यह नाइंसाफी पिछले कई सालों से चल रही थी।उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्य सरकारों ने मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को समाप्त या विलोपित नहीं किया है।

कोई भी राज्य सरकार केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियम को समाप्त या विलोपित नहीं कर सकती। यह अधिकार केन्द्र सरकार को ही है। इसलिए दोनों राज्य सरकारों ने बीच का रास्ता निकाला और उक्त आदेश के (ख) के द्वारा पेंशनरों को देय महंगाई राहत में वृद्धि हेतु विधायी संशोधन के स्थान पर दोनों राज्यों द्वारा सीधे कार्यकारी आदेश जारी किए गए।मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों की सदाशयता से दोनों राज्यों के लाखों पेंशनरों को बड़ी राहत मिली है। इससे पेंशनरों की और पेंशनर संगठनों की 25 साल से चली आ रही मांग को दोनों राज्य सरकारों ने मानकर पेंशनरों को महंगाई राहत देने का आखिरकार रास्ता निकाल ही लिया। यदि दोनों राज्य सरकारें पेंशनरों के हित में मध्यप्रदेश पुनर्गठन 2000 की धारा 49 (6) को समाप्त करने संबंधी प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को भेजती तो इसमें कितना समय लगता ? इसकी कोई ग्यारंटी नहीं थी। इसलिए बहुत सोच समझकर दोनों राज्य सरकारों ने बीच का रास्ता निकालकर पेंशनरों के लिए सराहनीय कार्य किया है। इसके लिए दोनों राज्य सरकारों और मुख्यमंत्रियों को साधुवाद!

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

डॉ. स्वाति नायक

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, को अब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेज़ी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की ज़रूरत है।

हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिक भंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ-साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) - खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना - में बताया गया है कि 2024 में 74 देशों में 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु-स्तरीय आर्थिक उथल-पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्वानुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

यह ब्रिक्स देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादक/आयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं।

हालाँकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यवधानों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट - विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोग - के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षा; अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है।

ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा फसल से घर तक: अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माण विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था।

भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज़्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज - चावल और गेहूं - के साथ-साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविक पोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है। यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ-साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई-समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज़्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें।

रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू-राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग-अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है - दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण-संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं।इसके अलावा, विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे "छोटे, सरल और स्मार्ट" होते हैं और बाज़ार प्रबंधन के बजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका प्रभाव 'ब्रिक्स देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए कैसे सहयोग कर सकते हैं' पर पड़ता है। कई देशों के साझा भंडार निर्मित करने के बजाय, जिन्हें बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल और लॉजिस्टिक्स के लिहाज़ से असंभव है, ब्रिक्स के लिए एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय तालमेल प्रणाली का निर्माण बेहतर हो सकता है, जो डेटा आदान-प्रदान, समन्वित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली, सरकारी खरीद मानक नियम और भंडारण अवसंरचना को बेहतर बनाने पर केंद्रित हो।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भंडार के भविष्य को पोषण संबंधी विविधता से जोड़ा जाना चाहिए। मुख्य रूप से चावल और गेहूं पर आधारित भंडार छिपी हुई भूख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के बढ़ते खतरे का सामना नहीं कर पाएँगे। स्वस्थ/पोषक तत्वों से भरपूर चावल और गेहूं, जैसे जैविक पोषण वर्धित चावल/गेहूं, दालें, मोटे अनाज और पोषण वर्धित अनाज जैसी चीज़ों का एक विविध मिश्रण सुनिश्चित करने की ज़रूरत है। इससे ब्रिक्स देशों के लिए अपने खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों को सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ना संभव होगा।भंडारों की योजना बनाते समय जलवायु के हिसाब से सुदृढ़ता सुनिश्चित करना भी ज़रूरी है। बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू जैसी घटनाओं के बार-बार होने के कारण, यह सुनिश्चित करना ज़रूरी हो गया है कि इन आपदाओं का असर उत्पादन और भंडारण, दोनों प्रक्रियाओं पर एक साथ न पड़े। इस संदर्भ में, आधुनिक भंडारों के लिए सिर्फ पारंपरिक भंडारों में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कोल्ड चेन, अलग-अलग जगहों पर बनी भंडारण सुविधाओं, आई-ओ-टी सक्षम निगरानी प्रणालियों और नमी नियंत्रण प्रणालियों में भी निवेश करना जरूरी हो गया है।दुनिया की खाद्य भंडारण नीति को बदलने में मदद करने के लिए ब्रिक्स देश सबसे अच्छी स्थिति में हैं। सामूहिक रूप से, वे दुनिया के अनाज उत्पादन, उर्वरक उपयोग, कृषि व्यापार और जोखिम में रहने वाले समुदायों के मामले में में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सही योजना के साथ, उनकी भंडारण सुविधाओं को केवल आपातकालीन व्यवस्था के स्थान पर सुरक्षित पोषण, मौसम में बदलाव का सामना करने और भू-राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाली प्रणाली में बदला जा सकता है। भविष्य के खाद्य भंडार की सफलता केवल उनके भंडारण सुविधा में रखे अनाज की मात्रा पर निर्भर नहीं करेगी। इसके बजाय, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे संकट के समय समाज को स्थिर रखने में कितनी मदद कर सकते हैं, गरीब लोगों के लिए अच्छे पोषण के परिणाम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं, क्षेत्रीय खाद्य उत्पादन प्रणाली को कैसे मजबूत कर सकते हैं और कमजोर वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को किस प्रकार कम कर सकते हैं। इसलिए, ब्रिक्स देशों के लिए खाद्य भंडार का सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अधिक भोजन कैसे पैदा करें, बल्कि यह होना चाहिए कि स्मार्ट, पोषण-केंद्रित भंडार कैसे बनाए जाएं।

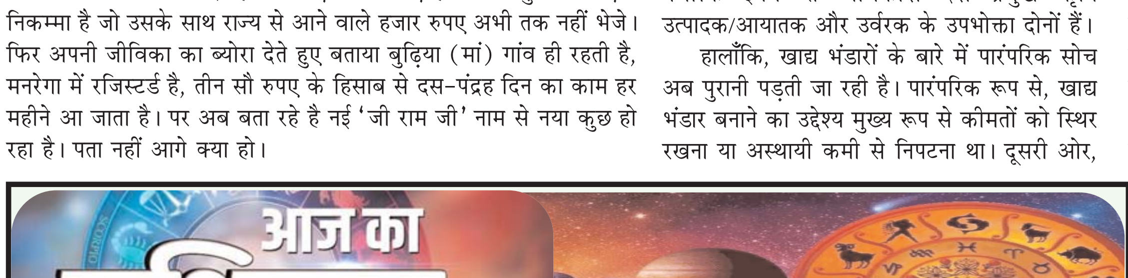

मेष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी। आज प्रबंधन और मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज बड़ा इनाम या सराहना मिल सकती है ,आज व्यापारियों के लिए मुनाफे का योग बन रहा है। आज घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ी जरूरतें पूरी करने के लिए आज आप कुछ खास प्रयास करेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियांआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। विद्यार्थी आज कुछ विशेष ऐक्टीविटीज करेंगे आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। आज निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा ,उनके अनुभव और सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। आज संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से आज मजबूत होंगे। आज पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिए आज आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार-विमर्श भी होगा। आज मोबाईल स्क्रीन टाइम काम करें अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं। आज समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से स्थिति बेहतर होगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का परिणाम आज आपको मिल सकता है।

तुला राशि : आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा जिससे कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है। किसी काम की शुरुआत नये सिरे से कर सकते हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। बॉस आज आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आज आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा,आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं आपको उस काम के लिए सर्टिफिकेट भी मिल सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमे निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि :आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा। आज आर्थिक स्तर पर आप मजबूत बने रहेंगे। आपकी व्यवसायिक परियोजना पूरी हो सकती है। आज ऑटो पार्ट्स तथा मोबाईल की शॉप चला रहे लोगों को बढ़िया धनलाभ मिलेगा।

आज का मॉनसून, कल का इतिहास नहीं – भविष्य का फैसला है

प्रो. आरके जैन अरिजीत

प्रकृति चेतावनी देने के लिए शब्दों का सहारा नहीं लेती; वह अपने संकेत छोड़ती है—कभी प्यास से फटी धरती पर, कभी पहाड़ों से टूटते मलबे में, तो कभी एक रात की बारिश में ढह गए घरों की खामोशी में। 2026 का मॉनसून भी ऐसा ही एक मौन संदेश था, जिसे अनसुना करना आने वाले कल से आंखें मूंदना होगा। जून में सामान्य से लगभग 40 प्रतिशत से अधिक वर्षा की कमी ने खेतों की उम्मीदें सुखा दीं। एल नीनो के प्रभाव में किसान आसमान निहारते रहे, लेकिन बादल बेरुख़ रहे। फिर जुलाई ने अचानक करवट बदली। मुंबई, वायनाड, रत्नागिरी सहित कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की मूसलाधार बारिश ने साबित कर दिया कि अब खतरा बारिश के कम या अधिक होने में नहीं, बल्कि उसके बेकाबू और असंतुलित स्वरूप में है। 2026 का मॉनसून इस सच्चाई की गवाही बन गया कि जलवायु परिवर्तन ने मौसम का मिज़ाज बदल दिया है। यह बदलाव आकस्मिक नहीं, बल्कि विज्ञान की वर्षों पुरानी चेतावनी का साकार रूप है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्म होती पृथ्वी का वातावरण पहले से अधिक नमी समेट रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान इसे ऊर्जा दे रहा है। नतीजा यह है कि बादल अब ठहरकर नहीं, टूटकर बरसते हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, जुलाई के शुरुआती दिनों में मुंबई (सांताक्रुज स्टेशन) में 600-900 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जो जुलाई के पूरे महीने के औसत का बड़ा हिस्सा थी। दूसरी ओर, वायनाड में मौसमी वर्षा सामान्य से कम रही, लेकिन दो दिनों की मूसलाधार बारिश ने टनल निर्माण स्थल पर मिट्टी का पहाड़ ढहा दिया। इस हादसे में कई मजदूरों की जान गई, कुछ लापता रहे। यह महज़ हादसा नहीं, बल्कि बदलते जलवायु दौर की भयावह तस्वीर है, जहाँ कम वर्षा वाला मौसम भी विनाश की इबारत लिख सकता है। 2026 के मॉनसून ने केवल शहरों को नहीं, हमारी विकास-दृष्टि को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। कंक्रीट के फैलते जंगलों ने पानी के प्राकृतिक रास्ते निगल लिए। नतीजा था—मुंबई के मानखुर्द में चॉल ढह गई, पालघर में बाढ़ दस से अधिक जिंदगियां बहा ले गई, पेड़ उखड़े, दीवारें गिरीं और शहर दिनों तक थम गए। यह तबाही सिर्फ आसमान से बरसे पानी की नहीं थी; जर्जर ड्रेनेज व्यवस्था, रिक्लेम्ड भूमि पर अनियोजित निर्माण और प्रकृति की कीमत पर खड़ा विकास भी इसके भागीदार थे। जलवायु विशेषज्ञ वर्षों से चेताते रहे हैं कि मध्य भारत में 1950 के बाद अत्यधिक वर्षा की घटनाएं लगभग तीन गुना बढ़ चुकी हैं। 2026 ने उस चेतावनी को आंकड़ों से उठाकर सड़कों, बस्तियों और जिंदगियों पर लिख दिया। अब बारिश मौसम नहीं, कुछ घंटों में पूरे महीने का संतुलन और शहरों की व्यवस्था बहा ले जाती है।2026 के मॉनसून ने एक भ्रम तोड़ दिया—सूखा और बाढ़ अब विरोधी नहीं, बल्कि एक ही जलवायु संकट के दो रूप हैं। एल नीनो ने पहले बारिश रोकी, फिर गर्म वातावरण ने संचित नमी उलीच दी। सूखी धरती पानी सोख न सकी; वही जल मैदानों में बाढ़ और पहाड़ों में भूस्खलन बन गया। बदलता मौसम चेतावनी है कि अब खतरा वर्षा की मात्रा से अधिक उसकी तीव्रता और असंतुलन में है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, वैश्विक तापमान 1.5-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ने पर कई क्षेत्रों में आर्द्र गर्मी गंभीर संकट बन सकती है। यानी आने वाले समय में चुनौती केवल सूखे और बाढ़ की नहीं; बारिश के बाद की दमघोंटू उमस जनस्वास्थ्य, श्रम क्षमता और अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगी। 2026 के मॉनसून ने एक नया शब्द सिखाया है—वैरिएबिलिटी। अब बारिश का आकलन उसकी कुल मात्रा से नहीं, बल्कि उसके समय, अवधि और तीव्रता से होगा। कई दिनों का सूखा और फिर एक-दो दिनों में पूरे महीने जितनी वर्षा—यही नया पैटर्न खेती, पर्यावरण और शहरों की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। किसानों को कम अवधि वाली फसलें, जलवायु-अनुकूल बीज और सटीक मौसम पूर्वानुमान अपनाने होंगे। शहरों को स्पॉन्ज सिटी मॉडल विकसित करना होगा, ताकि वर्षा जल सड़कों पर बहने के बजाय जमीन में समा सके। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां वैज्ञानिक आकलन और कठोर मानकों से संचालित हों; क्योंकि बदलते मौसम में यही विकास की सबसे विश्वसनीय बुनियाद है।सबसे बड़ी भूल यह होगी कि जलवायु संकट का समाधान केवल राष्ट्रीय योजनाओं में खोजा जाए। 2026 का मॉनसून बताता है कि पिछले दो वर्षों की अच्छी वर्षा से अधिकांश जलाशय भरे होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर भारी तबाही हुई। साफ है, बड़े बांध, घोषणाएं और राहत पैकेज तब तक पर्याप्त नहीं होंगे, जब तक हर शहर, गांव और पहाड़ी क्षेत्र अपनी भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप तैयार न हो। वेटलैंड्स का संरक्षण, वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक, नदियों और प्राकृतिक जलमार्गों का पुनर्जीवन तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट को विकास की आधारशिला बनाना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान का यथार्थ है—और इसकी सबसे बड़ी कीमत आने वाली पीढ़ियां नहीं, आज का समाज चुका रहा है।हर आपदा केवल नुकसान नहीं छोड़ती, वह हमारी प्राथमिकताओं का भी परीक्षण करती है। 2026 का मॉनसून इसी कसौटी पर हमें परख गया। उसने स्पष्ट कर दिया कि प्रकृति की सीमाओं की अनदेखी कर किया गया विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। अब समय राहत और मुआवजे की घोषणाओं से आगे बढ़कर विकास की दिशा बदलने का है। इंफ्रास्ट्रक्चर को जलवायु-अनुकूल, नीतियों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप और विकास को पर्यावरण का प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसका सहभागी बनाना होगा। चेतावनी स्पष्ट है, निर्णय हमारे हाथ में है।

आमिर खान को धमकी मिलने की खबर, पुलिस ने शिकायत मिलने से किया इनकार

मुंबई, (आरएनएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को फेसबुक पोस्ट के जरिए धमकी मिलने की खबर है। हालांकि, मुंबई पुलिस के मुताबिक, न तो एक्टर और न ही उनकी टीम ने अब तक कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट से आमिर खान को धमकी मिलने के बारे में पता चला और वे आगे की कार्रवाई करने से पहले वायरल पोस्ट की सच्चाई की जांच कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, आमिर को फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए धमकी मिली, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा था। पोस्ट में लिखा था, मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप) हूं। जो लोग हमारे देश में हमारी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहे हैं और आमिर खान जैसे लोग जो 'लव जिहाद' के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।पोस्ट में आगे लिखा, उन्हें (आमिर खान) बहुत जल्द जवाब दिया जाएगा। यह हमारे सनातन धर्म और हमारे देश के खिलाफ है, जो लोग स्टारडम के नाम पर ऐसी चीजों को बढ़ावा दे रहे हैं। हम उन्हें बख्शेंगे नहीं। मुंबई पुलिस ने कहा है कि अब तक न तो आमिर खान और न ही उनकी टीम ने कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को इस कथित धमकी के बारे में मीडिया रिपोर्टों से पता चला, जिनमें दावा किया गया था कि यह धमकी फेसबुक के जरिए दी गई थी। वे अभी इस जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं।

अमताला में अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय पर चला बुलडोजर, अवैध निर्माण का आरोप

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के अमताला में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया। प्रशासन का कहना है कि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के बिना और निर्धारित भवन नियमों का उल्लंघन कर किया गया था।शनिवार को प्रशासन ने पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बल, अग्निशमन विभाग और आपातकालीन सेवाओं की मौजूदगी में बुलडोजर और खुदाई मशीनों की मदद से कार्रवाई शुरू की। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।प्रशासन के अनुसार, पार्टी कार्यालय के निर्माण को लेकर भवन नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद संबंधित पक्ष को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलाया गया था। वैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई आगे बढ़ाई गई और इसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू किया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए नारेबाजी की। अमताला से भाजपा विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि पार्टी कार्यालय का निर्माण नियमों की अनदेखी कर किया गया था और प्रशासन ने कानून के अनुरूप कदम उठाया है।

महाराष्ट्र की सियासत में नए समीकरणों की चर्चा, एनसीपी के विलय के बाद ही एनडीए में एंट्री के संकेत

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित एकीकरण को लेकर चर्चाएं तेज हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, यदि शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा बनना चाहता है, तो पहले एनसीपी के दोनों धड़ों का विलय होना आवश्यक माना जा रहा है। हालांकि, शरद पवार गुट के नेताओं ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों से इनकार किया है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी का मानना है कि शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट पहले आपसी मतभेद समाप्त कर एक राजनीतिक दल के रूप में सामने आएं। इसके बाद ही एनडीए में संभावित साझेदारी पर विचार किया जा सकता है। भाजपा फिलहाल किसी एक गुट को अलग से गठबंधन में शामिल करने के पक्ष में नहीं है। जुलाई 2023 में अजित पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ अलग होकर भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट को मूल एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किया, जबकि शरद पवार का गुट एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नाम से सक्रिय है।

महाराष्ट्रः शादी का झांसा देकर करोड़ों की ठगी, विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को निशाना बनाने वाला गिरफ्तार

डोंबिवली, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के डोंबिवली में विष्णुनगर पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिलाओं से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले एक शातिर ठग को उत्तर प्रदेश के सीतापुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 48 वर्षीय अनुज संतोष तिवारी उर्फ अनुज कुमार त्रिवेदी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह वैवाहिक वेबसाइटों और अखबारों में प्रकाशित विवाह संबंधी विज्ञापनों के जरिए अकेली, विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। अब पुलिस इस बड़े ठगी गिरोह के संबंधों की जांच कर रही है।पुलिस ने बताया कि आरोपी शादी से जुड़ी वेबसाइटों और अखबारों में प्रकाशित विज्ञापनों के माध्यम से महिलाओं से संपर्क करता था। वह खास तौर पर उन महिलाओं को निशाना बनाता था, जो अकेली रहती थीं, विधवा थीं या जिनके बच्चे विदेश में रहते थे। एक 73 वर्षीय महिला से दोस्ती करने के बाद उसने पहले उनके घर से जेवरात चुरा लिए। इसके बाद उनके नाम पर मोबाइल सिम जारी कराया और पुणे की एक आलीशान आवासीय सोसायटी में घर दिलाने का झांसा देकर उनका मकान बिकवा दिया। इस तरह उसने महिला से करीब 57 लाख रुपये ठग लिए।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए दूसरी महिलाओं के नाम पर जारी सिम कार्ड का इस्तेमाल करता था। उसने कई महिलाओं को शादी का सपना दिखाकर उनसे कैश और जेवरात ठग लिए। इतना ही नहीं, कुछ महिलाओं के नाम पर कर्ज भी दिलवाया। एक मामले में उसके खिलाफ महिला के यौन शोषण का आरोप भी सामने आया है।करीब एक साल तक तलाश करने के बाद विष्णुनगर पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के सीतापुर से गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाएं और गरज-चमक की चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में मानसून की सक्रियता बढ़ने के बीच 15 राज्यों के लिए भारी बारिश, तेज हवाओं और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, कई क्षेत्रों में बिजली गिरने, जलभराव और तेज हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हो सकता है। लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

=यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में तेज हवाओं की आशंका=

आईएमडी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ गरज-चमक और भारी वर्षा की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग ने चेताया है कि तेज हवाओं से पेड़, बिजली के खंभे और फसलों को नुकसान पहुंच सकता है, जबकि बिजली गिरने का खतरा भी बना रहेगा।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में मौसम लगातार बदल रहा है। आईएमडी ने 18 जुलाई के लिए बारिश, आकाशीय बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। दिन में गर्मी और उमस बनी रहेगी, लेकिन दोपहर बाद हल्की बारिश और गरज-चमक से मौसम में बदलाव आने की संभावना है।

वहीं 19 जुलाई को भी गर्मी और उमस के साथ छिटपुट बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि 20 से 23 जुलाई के बीच दिल्ली-एनसीआर के लिए किसी विशेष चेतावनी की घोषणा नहीं की गई है और तापमान सामान्य से नीचे रहने का अनुमान है।

=पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश का खतरा=

हिमाचल प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून और नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 19 से 23 जुलाई के बीच कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिलों में फिलहाल येलो अलर्ट लागू किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की आशंका

आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर में भी अगले कुछ दिनों के दौरान भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, लगातार बारिश के कारण अचानक बाढ़, भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। लोगों को विशेष रूप से शनिवार रात, रविवार सुबह और 20 से 22 जुलाई के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही परिवहन और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए आवश्यक तैयारियां रखने की सलाह भी दी गई है।

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने बात की। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया; वे पिछले 20 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर थे और उनकी तबीयत बिगड़ गई थी।

मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में बड़ा बदलाव, अब किसी भी कंपनी को मिलेगी अनुमति

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) ने मेडिकल कॉलेज खोलने से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। नए प्रावधानों के तहत अब कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कोई भी कंपनी मेडिकल कॉलेज स्थापित कर सकेगी। इससे पहले यह अनुमति केवल सेक्शन-8 (गैर-लाभकारी) कंपनियों तक सीमित थी।अब तक केवल गैर-लाभकारी संस्थाओं को ही मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अनुमति थी। सेक्शन-8 कंपनियां अपने लाभ को संस्थान के विकास या सामाजिक कार्यों में ही खर्च कर सकती थीं। लेकिन नए नियम लागू होने के बाद लाभ कमाने वाली कंपनियां भी निर्धारित मानकों का पालन करते हुए मेडिकल कॉलेज शुरू कर सकेंगी। सरकार का मानना है कि गैर-लाभकारी शर्त के कारण कई बड़े कॉर्पोरेट समूह मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करने से बच रहे थे। साथ ही, अनौपचारिक रूप से मुनाफा कमाने की शिकायतें भी सामने आती थीं। सरकार का तर्क है कि कानूनी व्यवस्था बनने से निवेश बढ़ेगा, पारदर्शिता आएगी और कर (टैक्स) राजस्व में भी वृद्धि होगी। वर्ष 2017 में तत्कालीन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (MCI) ने सभी पंजीकृत कंपनियों को मेडिकल कॉलेज खोलने की अनुमति दी थी। हालांकि, 2019 में MCI की जगह NMC बनने के बाद नियम सख्त कर दिए गए और केवल सेक्शन-8 कंपनियों को ही अनुमति दी गई। अब NMC ने फिर से नियमों में संशोधन कर दायरा बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नए नियमों से निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हो सकती है, लेकिन छात्रों पर बढ़ती फीस का बोझ भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

सामूहिक आत्महत्या या कुछ और?, एक ही घर में मिली 5 लोगों की लाश, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर के मदनी चौक में एक किराये के मकान से एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घर को सील कर जांच शुरू कर दी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतकों में साजिद अली (50) का शव फंदे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी राबिया, पुत्र इरशाद अली (19), पुत्री शाहिदा (17) और इरशाबा बेगम (16) के शव घर के एक कमरे में मिले। प्रथम दृष्टया आशंका है कि पांचों की मौत किसी विषैले पदार्थ के सेवन से हुई हो सकती है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगी।

टिकरापारा थाना प्रभारी राजेश मराई ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के थे और पिछले करीब आठ महीने से इस मकान में किराये पर रह रहे थे। घटना के कारणों की जांच की जा रही है और किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

घटनास्थल पर फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस हत्या, आत्महत्या और अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, साजिद अली मौदहापारा क्षेत्र में बैटरी रिपेयरिंग का काम करते थे। पड़ोसियों का कहना है कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और उन पर कुछ कर्ज भी था। वसूली के लिए रिकवरी एजेंटों का घर पर आना-जाना रहता था। हालांकि, पुलिस ने अभी तक घटना के पीछे किसी एक कारण की पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है।

संविधान संशोधन बिल पर डीएमके के बदले सुर, परिसीमन पर आश्वासन मिला तो समर्थन के संकेत

नई दिल्ली/चेन्नई, (आरएनएस)। लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण (परिसीमन) और वर्ष 2029 से महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार को अहम राजनीतिक समर्थन मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) ने संकेत दिए हैं कि यदि दक्षिणी राज्यों के हितों की रक्षा की स्पष्ट गारंटी दी जाती है, तो पार्टी इस मुद्दे पर सरकार से बातचीत के लिए तैयार है।

=परिसीमन पर आश्वासन की मांग=

डीएमके के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों का हिस्सा पहले से स्पष्ट करे, ताकि तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों के प्रतिनिधित्व में किसी प्रकार की कमी न आए। पार्टी का कहना है कि यदि निष्पक्ष व्यवस्था का भरोसा मिलता है तो वह अपने रुख पर पुनर्विचार कर सकती है। हालांकि, डीएमके ने स्पष्ट किया है कि इस विषय पर अभी तक सरकार के साथ कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है।

=सरकार को मिल सकती है अतिरिक्त ताकत=

डीएमके के बदले रुख से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की उम्मीदें बढ़ी हैं। इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले भी कह चुकी हैं कि यदि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में समान रूप से 50 प्रतिशत वृद्धि की जाती है तो उनकी पार्टी भी विधेयक का विरोध नहीं करेगी। सरकार अब डीएमके, एनसीपी (शरद पवार गुट) के अलावा अन्य विपक्षी दलों और कुछ स्वतंत्र रुख वाले सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश में है, ताकि संसद में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित किया जा सके।

बिल में संशोधन की संभावना

सूत्रों के अनुसार, सरकार विधेयक के मसौदे में कुछ बदलाव भी कर सकती है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस आश्वासन को शामिल किए जाने पर विचार हो रहा है, जिसमें सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि की बात कही गई थी। इससे उन दलों और सांसदों का भरोसा जीतने की कोशिश होगी जो अभी इस मुद्दे पर असमंजस में हैं।

राज्यसभा में सरकार की स्थिति मजबूत

सरकारी सूत्रों का कहना है कि संसद के दोनों सदनों में पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित होने के बाद ही संविधान संशोधन विधेयक दोबारा पेश किया जाएगा। राज्यसभा में सरकार की स्थिति पहले से अपेक्षाकृत मजबूत मानी जा रही है।

कांग्रेस पर भी साधा निशाना

डीएमके ने इस मुद्दे पर कांग्रेस की भी आलोचना की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अब वह अपने राजनीतिक फैसले स्वतंत्र रूप से लेगी और किसी अन्य दल के रुख का इंतजार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की रणनीति से विपक्षी गठबंधन को नुकसान हुआ है। यदि यह संविधान संशोधन विधेयक पारित होता है, तो लोकसभा की सीटों के पुनर्निर्धारण का मार्ग प्रशस्त होगा और वर्ष 2029 से महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

राम मंदिर निर्माण किसी सरकार या दल की उपलब्धि नहीं, न्यायिक प्रक्रिया का नतीजा : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

अयोध्या,(आरएनएस)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अयोध्या दौरे के दौरान राम जन्मभूमि, सनातन धर्म, गौ संरक्षण और अपनी गविष्टि यात्रा को लेकर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल एक प्राचीन नगर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की आधारभूमि है, जहां भगवान श्रीराम ने अवतार लेकर धर्म को व्यावहारिक स्वरूप दिया। पत्रकारों से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि अयोध्या ने न केवल दुनिया को दिशा दिखाई, बल्कि सनातन धर्म को संरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के रूप में धर्म ने जब अवतार लिया तो अयोध्या को अपनी जन्मभूमि के रूप में चुना। उनके अनुसार, यह वही स्थान है जहां धर्म का साकार स्वरूप प्रकट हुआ और यहीं से उसका विस्तार चारों दिशाओं में हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण सात मोक्षदायिनी पुरियों में अयोध्या को प्रथम स्थान प्राप्त है। उन्होंने यह भी कहा कि कलियुग के प्रभाव के कारण राम जन्मभूमि एक समय लुप्त हो गई थी।

राम मंदिर निर्माण के संबंध में उन्होंने कहा कि यह किसी सरकार या राजनीतिक दल की उपलब्धि नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि विवाद में कानूनी लड़ाई राम लल्ला विराजमान की ओर से लड़ी गई थी और सर्वोच्च न्यायालय का फैसला भी उनके पक्ष में आया। इसलिए मंदिर के मुख्य गर्भगृह और मुख्य आसन पर विराजमान होने का अधिकार भी राम लल्ला विराजमान का ही है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, अपनी गविष्टि यात्रा के जरिए हमने लगभग 375 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं से संवाद किया है। आज हम इस यात्रा के बारे में चर्चा करने के लिए इस पवित्र भूमि पर आए हैं। गविष्टि का अर्थ गौ माता के जीवन और सम्मान की रक्षा करना है। गौ माता इस दुनिया में केवल मांस या दूध के लिए नहीं आई हैं।

डाक विभाग ने इनोवेट इंडिया माईगॉव प्लेटफॉर्म पर शुभंकर (शुभंकर) डिजाइन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, (आरएनएस)। संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने इनोवेट इंडिया माईगॉव प्लेटफॉर्म पर इंडिया पोस्ट शुभंकर डिजाइन प्रतियोगिता शुरू की है, जिसमें देशभर के नागरिकों को इंडिया पोस्ट के आधिकारिक शुभंकर को डिजाइन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य एक ऐसा विशिष्ट ब्रांड एंबेसडर तैयार करना है जो संगठन के मूल मूल्यों जैसे विश्वास, विश्वसनीयता, समावेशिता, सेवा और डिजिटल नवाचार को प्रतिबिंबित करे। यह प्रतियोगिता सभी भारतीय नागरिकों के लिए खुली है। प्रतिभागियों को MyGov प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक मौलिक शुभंकर डिज़ाइन, उपयुक्त शुभंकर नाम और एक संक्षिप्त अवधारणा पत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रतियोगिता 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक खुली रहेगी।

रचनात्मक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, विभाग ने तीन सर्वश्रेष्ठ शुभंकर डिज़ाइनों के लिए क्रमशः 75000, 50000 और 25000 रुपये के नकद पुरस्कारों की घोषणा की है। तीन सर्वश्रेष्ठ शुभंकर नामों के लिए भी अलग से 25000, 15000 और 10000 रुपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे। शुभंकर डिज़ाइन और शुभंकर नामकरण के पुरस्कार एक दूसरे से स्वतंत्र और अनन्य हैं।

सलमान खान ने किया एसआरए के नए आईटी सेंटर का उद्घाटन, लाभार्थियों को सौंपी घरों की चाबियां

मुंबई,(आरएनएस)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने शुक्रवार रात मुंबई स्थित स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एसआरए के आधुनिक डेटा कलेक्शन एंड वेरिफिकेशन सपोर्ट सेंटर (आईटी सर्वर रूम) का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा डिजिटल प्रशासन को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। माना जा रहा है कि इससे एसआरए की ई-गवर्नेंस पहल को नई मजबूती मिलेगी। सलमान खान ने झुग्गी पुनर्वास योजना के लाभार्थियों को उनके स्थायी घरों की चाबियां भी सौंपीं। चाबियां मिलने के बाद लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। एसआरए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेंद्र कल्याणकर की मौजूदगी में सलमान खान ने 50 से अधिक लाभार्थियों को उनके नए घरों की चाबियां प्रदान कीं। इस अवसर पर सलमान खान ने एसआरए कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। इस पुस्तक में एसआरए के कामकाज, सफल पुनर्वास की कहानियों, विभिन्न विकास परियोजनाओं और संस्था की प्रमुख उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। यह प्रकाशन नागरिकों, हितधारकों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के लिए एसआरए के कार्यों को समझने का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जा रहा है। सलमान खान का यह दौरा महाराष्ट्र सरकार की उस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है, जिसके तहत झुग्गी पुनर्वास मिशन को आधुनिक तकनीक, पारदर्शी व्यवस्था और जन-केंद्रित प्रशासन के जरिए और मजबूत बनाया जा रहा है।

प्यू रिसर्चः भारत में ट्रंप और अमेरिका पर भरोसा घटा, भारतीयों को किस विदेशी नेता पर सबसे ज्यादा विश्वास?

न्यूयॉर्क (ए.)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही अमेरिका और भारत के समीकरण में बदलाव देखने को मिला। इसकी एक बड़ी वजह ट्रंप की बयानबाजी और उनके फैसलों को माना जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे के अनुसार, पिछले साल से अब तक अमेरिका को भारत में लेकर लोगों की सकारात्मक सोच में तेजी से बदलाव देखने को मिला है।

सर्वे से क्या पता चला है?

अमेरिका के प्यू रिसर्च सेंटर के इस साल के सर्वे से पता चला कि 45 फीसदी भारतीयों की अमेरिका के बारे में अच्छी राय थी, जो पिछले साल से 54 फीसदी कम है। इस हफ्ते पब्लिश हुई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीयों में से 31 फीसदी की अमेरिका के बारे में नकारात्मक राय थी। हैरानी की बात नहीं है कि सिर्फ 18 फीसदी भारतीयों ने ट्रंप की टैरिफ नीति को सराहा।

राष्ट्रपति ट्रंप पर भारतीय कितने भरोसा करते हैं?

बता दें, राष्ट्रपति के टैरिफ नियम पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट के रोक से पहले भारत पर 50 फीसदी तक का असर पड़ा। वैश्विक मामलों में सही फैसले लेने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भारतीयों का भरोसा पिछले साल के 52 फीसदी से घटकर इस साल 39 फीसदी रह गया।

प. एशिया में बढ़ा तनावः अमेरिकी हमलों पर ईरान का पलटवार, खाड़ी देशों में कितने सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना?

तेहरान (ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की ओर से रातभर ईरान पर नए हमले किए जाने के बाद शनिवार को ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर नए हमले किए।

ईरान की मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, बुशेहर प्रांत, होर्मोजगान प्रांत के सीरिक और केशम के इलाकों में विस्फोटों की खबर है। वहीं, सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि मध्य ईरान के यज्द प्रांत में पांच विस्फोटों की आवाज सुनी गई।

अमेरिकी सेना ने लगातार सातवें दिन ईरान पर किए हमले

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया मंच "एक्स" पर कहा कि अमेरिकी सेना ने लगातार सातवीं रात ईरान के खिलाफ हमले किए। इन हमलों में निगरानी ठिकानों, सैन्य रसद ढांचे, भूमिगत हथियार भंडारण केंद्रों और समुद्री क्षमताओं से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया।

सेंटकॉम ने कहा, "मध्य पूर्व में 50,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक तैनात हैं और वे पूरी तरह सतर्क, घातक क्षमता से लैस और हर स्थिति के लिए तैयार हैं।" ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, ताजा अमेरिकी हमलों में तीन लोगों की मौत हुई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए।

पलटवार में ईरान ने किन अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना?

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शनिवार को दावा किया कि उसने कुवैत के अल अहमदी बंदरगाह पर स्थित अमेरिकी नौसैनिक ईंधन सहायता तट और बहरीन के शेख ईसा एयर बेस स्थित अमेरिकी लड़ाकू विमान ठिकाने को निशाना बनाया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जॉर्डन की वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को मार गिराया। बहरीन ने भी कई हवाई हमलों को विफल करने का दावा किया।

वहीं, कुवैत ने कहा कि ईरानी हमले के बाद एक बिजली और समुद्री जल शोधन संयंत्र में आग लग गई। कुवैत फायर फोर्स के अनुसार, ईरानी हमलों से भड़की दो अन्य आग से लड़ते समय कई अग्निशामकों और एक कार्यकर्ता को भी चोटें आईं। मिसाइल खतरों के कारण कुवैत ने सुबह अपना हवाई क्षेत्र को कुछ देर के लिए बंद कर दिया था। इसके साथ ही कुवैत एयरवेज ने राजधानी से और राजधानी के लिए अधिकांश उड़ानों को पुनर्निर्धारित करने की घोषणा की थी। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि जिन देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए किया जाएगा, उन्हें भी "उसी प्रकार की प्रतिक्रिया" का सामना करना पड़ेगा। यह जानकारी ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने दी।

ईरान ने अमेरिका को दी क्या चेतावनी?

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसिन रजाई ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका दो से तीन दिन और युद्ध जारी रखता है तो ईरान आक्रामक और विनाशकारी चरण में प्रवेश करेगा। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी टीवी को दिए साक्षात्कार में रजाई ने कहा कि युद्ध और बातचीत साथ-साथ की नीति अब समाप्त हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहे तो ईरानी सशस्त्र बल केवल जवाबी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेंगे।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की गिरफ्तारी के खिलाफ अल्पसंख्यकों का प्रदर्शन, BNP सरकार क्या की मांग?

ढाका (ए.)। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को राजधानी ढाका में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हिंदू युवक हरिदास चंद्र तरणी दास को झूठे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। उनका कहना है कि यह कार्रवाई इसलिए

की गई क्योंकि उन्होंने उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी इलाके में भगवान राम की 81 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने की पहल की थी।

गिरफ्तारी को बताया अन्याय

बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मणिंद्र कुमार नाथ ने गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने दो-तीन दिन पहले हरिदास चंद्र तरणी दास को गिरफ्तार किया और उन्हें जेल भेज दिया। उन्होंने कहा कि केवल भगवान राम की प्रतिमा निर्माण से जुड़े होने के कारण किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का लगाया आरोप

मणिंद्र कुमार नाथ ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ लगातार हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं हुई हैं। उनके अनुसार, पिछले एक वर्ष में देशभर में करीब 3,000 घटनाएं सामने आईं। इनमें 66 लोगों की हत्या हुई और कई मंदिरों पर कट्टरपंथियों ने हमले किए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

सरकार को दी चेतावनी

एकता परिषद के वरिष्ठ नेता सुब्रत चौधरी ने सरकार से मांग की कि ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि हरिदास चंद्र तरणी दास की गिरफ्तारी किसके निर्देश पर की गई। उनका कहना था कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस कार्रवाई के पीछे कौन लोग हैं और चाहे वे कितने भी बड़े अधिकारी हों, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

रिहाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि हरिदास चंद्र तरणी दास को तुरंत रिहा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो बांग्लादेश का हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय मिलकर देशभर में बड़ा आंदोलन शुरू करेगा।

किडनी देने के बाद पत्नी ने मांगा तलाक, पति ने कहा-मेरी किडनी वापस करो

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिका में वैवाहिक रिश्तों और कानूनी जटिलताओं से जुड़ा एक बेहद अनोखा मामला वर्षों बाद भी दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में रहने वाले एक डॉक्टर ने अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए अपनी एक किडनी दान की थी। लेकिन कुछ साल बाद जब पत्नी ने तलाक की अर्जी दाखिल कर दी, तो डॉक्टर ने अदालत में एक ऐसी मांग रख दी जिसने सभी को हैरान कर दिया। पीड़ित डॉक्टर ने कोर्ट से गुहार लगाई कि या तो उन्हें उनकी दान की गई किडनी वापस दिलाई जाए, या फिर उसके बदले 1.5 मिलियन डॉलर (लगभग 14.45 करोड़ रुपये) का मुआवजा दिलाया जाए। यह मामला डॉ. रिचर्ड बतिस्ता और उनकी पत्नी डॉनेल बतिस्ता के बीच का है।

रिचर्ड और डॉनेल का विवाह वर्ष 1990 में हुआ था। शादी के कुछ वर्षों बाद डॉनेल की किडनी गंभीर रूप से खराब हो गई। पत्नी की जान बचाने के लिए वर्ष 2001 में डॉ. रिचर्ड ने अपनी एक किडनी उन्हें दान कर दी। यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और डॉनेल को नया जीवन मिल गया।

हालांकि, इस महान त्याग के बावजूद दोनों के रिश्तों में खटास

आने लगी और आखिरकार वर्ष 2005 में डॉनेल ने तलाक के लिए कोर्ट का रुख कर लिया। इस कदम से आहत डॉ. रिचर्ड बतिस्ता ने सार्वजनिक रूप से अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने पत्नी को केवल दिल ही नहीं बल्कि जिंदगी बचाने के लिए अपनी किडनी भी सौंप दी थी, लेकिन बदले में उन्हें केवल विश्वासघात मिला।

डॉ. रिचर्ड के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि उनके मुवक्किल प्रत्यारोपित किडनी वापस चाहते हैं और यदि चिकित्सकीय रूप से ऐसा करना संभव नहीं है, तो उन्हें उसकी कीमत के बराबर मुआवजा मिलना चाहिए। दूसरी तरफ, पत्नी के वकील ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि मामले के तथ्य वैसे नहीं हैं जैसे पेश किए जा रहे हैं और वे अदालत के सामने सही सच रखेंगे। चिकित्सा और कानून के जानकारों का मानना है कि स्वेच्छा से दान किया गया कोई भी अंग वैवाहिक संपत्ति के दायरे में नहीं आता।

अंगदान को कानूनी रूप से एक स्थायी और स्वैच्छिक निर्णय माना जाता है, जिसे किसी भी स्थिति में वापस नहीं लिया जा सकता। हाल ही में यह दिलचस्प मामला सोशल मीडिया पर एक बार फिर तेजी से वायरल हो रहा है। इंटरनेट पर कई लोग यह दावा कर रहे हैं कि पत्नी ने किसी दूसरे व्यक्ति के लिए अपने पति को छोड़ दिया था, जिसके बाद पति ने अपनी किडनी वापस मांग ली। हालांकि, वास्तविक कानूनी दस्तावेजों और सार्वजनिक रिपोर्टों में इस दावे की पुष्टि नहीं होती है कि पत्नी ने किसी दूसरे पुरुष के लिए तलाक लिया था। बहरहाल, यह संवेदनशील मामला आज भी मानवीय संवेदनाओं, स्वार्थ और कानून के बीच की जंग का एक अनोखा उदाहरण बना हुआ है।

फीचर

मैंने अपनी दाल-ढोकली कमा ली है : हेली शाह

मुंबई (ए.)। अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अभिनेत्री हेली शाह ने एक बार फिर प्रशंसकों को फिटनेस और संतुलित जीवनशैली का संदेश दिया है। हाल ही में हेली ने अपने हाई-एनर्जी वर्कआउट सेशन का वीडियो साझा किया। वीडियो के साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, मैंने अपनी दाल-ढोकली कमा ली है। इसके साथ मुस्कुराते हुए इमोजी और अपने पसंदीदा भोजन की तस्वीर भी साझा की। उनके इस कैप्शन को प्रशंसकों ने

खूब पसंद किया और इसे फिटनेस के साथ जीवन में संतुलन बनाए रखने का सकारात्मक संदेश बताया। साझा किए गए वीडियो में हेली शाह कई चुनौतीपूर्ण एक्सरसाइज करती दिखाई दे रही हैं। उनके वर्कआउट में बॉक्स जंप्स, डीप स्क्वैट्स, डंबल्स के साथ वेटेड स्टेप-अप्स, मोबिलिटी ड्रिल्स और स्ट्रेचिंग जैसी एक्सरसाइज शामिल हैं।

ऑल-ब्लैक वर्कआउट आउटफिट में नजर आ रहीं हेली हर अभ्यास को पूरे फोकस और समर्पण के साथ करती दिखाई देती हैं। एक्सरसाइज के दौरान वह शरीर को हाइड्रेट रखने का भी पूरा ध्यान रखती हैं और सेट्स के बीच पानी पीने के बाद दोबारा उसी ऊर्जा के साथ अभ्यास में जुट जाती हैं। हेली का फिटनेस रूटीन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, एंड्योरेंस, एगिलिटी और फंक्शनल एक्सरसाइज का संतुलित मेल है। यह दर्शाता है कि वह केवल आकर्षक दिखने के लिए ही नहीं, बल्कि शरीर की ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति बढ़ाने पर भी बराबर ध्यान देती हैं। उनके अनुशासन और नियमित अभ्यास ने सोशल मीडिया पर लोगों को प्रभावित किया है। बड़ी संख्या में प्रशंसकों ने उनकी मेहनत, निरंतरता और फिटनेस के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरणादायक बताया है। हेली शाह के पोस्ट का सबसे चर्चित हिस्सा उनका कैप्शन रहा। उन्होंने अपनी पसंदीदा डिश दाल-ढोकली का जिक्र करते हुए यह संदेश दिया कि फिटनेस का मतलब अपनी मनपसंद चीजों से पूरी तरह दूरी बनाना नहीं है।

नियमित व्यायाम, संतुलित खानपान और अनुशासित दिनचर्या के साथ व्यक्ति अपनी पसंद का भोजन भी बिना किसी अपराधबोध के खा सकता है। उनका यह संदेश उन लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है, जो फिटनेस अपनाना चाहते हैं, लेकिन अपनी पसंदीदा चीजें छोड़ने को लेकर असमंजस में रहते हैं। हेली शाह समय-समय पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े वीडियो साझा करती रहती हैं। उनका मानना है कि शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी उतना ही जरूरी है। उनके पोस्ट प्रशंसकों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

धर्मेंद्र जैसा हैंडसम इंसान कभी नहीं देखा : हेमा मालिनी

मुंबई (ए.)। हाल ही में अभिनेत्री हेमा मालिनी ने एक पुराने साक्षात्कार में धर्मेंद्र से अपनी पहली मुलाकात और उनके प्रति पहली प्रतिक्रिया का जिक्र किया, जिसने एक बार फिर उनकी प्रेम कहानी को सुर्खियों में ला दिया। एक लोकप्रिय कार्यक्रम में हेमा मालिनी से पूछा कि वह पहली बार धर्मेंद्र से कहां मिली थीं और उन्हें देखकर उनके मन में पहला विचार क्या आया था।

इसके जवाब में हेमा मालिनी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार धर्मेंद्र को देखा तो उन्हें लगा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में इतना आकर्षक और हैंडसम व्यक्ति पहले कभी नहीं देखा था। उन्होंने बताया कि पहली मुलाकात एक फिल्म के प्रीमियर के दौरान हुई थी और उसी समय धर्मेंद्र के व्यक्तित्व ने उन्हें प्रभावित कर दिया था। हेमा मालिनी ने कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि धर्मेंद्र ने भी उनके बारे में कुछ इसी तरह की सकारात्मक बातें कही थीं। इसके बाद दोनों को कई फिल्मों में साथ काम करने का अवसर मिला और धीरे-धीरे एक-दूसरे को करीब से जानने का मौका भी मिला। उन्होंने बताया कि लगातार साथ काम करने से दोनों के बीच अच्छी समझ और गहरा जुड़ाव विकसित हुआ।

जब उनसे पूछा कि धर्मेंद्र की कौन-सी बात उन्हें सबसे अधिक पसंद आई, तो हेमा मालिनी ने कहा कि वह बेहद स्नेही, विनम्र और दूसरों का सम्मान करने वाले इंसान हैं। उनके अनुसार, धर्मेंद्र का व्यवहार हमेशा प्यार और अपनापन से भरा रहता था। उन्होंने कहा कि वह उस समय कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम कर रही थीं, लेकिन धर्मेंद्र के साथ काम करने का अनुभव सबसे अलग और सहज महसूस होता था। बातचीत के दौरान हेमा मालिनी ने यह भी स्वीकार किया कि धर्मेंद्र अक्सर अपने प्यार का इजहार किया करते थे। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह उनकी बातों को हल्के-फुल्के अंदाज में टाल देती थीं, क्योंकि उन्हें इस रिश्ते के संभावित परिणामों का अंदाजा था। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि किसी भी लड़की के लिए धर्मेंद्र जैसे आकर्षक और संवेदनशील व्यक्ति के व्यक्तित्व को नजरअंदाज करना आसान नहीं था। हेमा मालिनी ने बताया कि दोनों लगातार फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त रहते थे। कई बार एक ही दिन में दो या तीन शिफ्ट में साथ काम करना पड़ता था।

मुंबई की शूटिंग के अलावा आउटडोर लोकेशनों पर भी लंबा समय साथ बिताने का अवसर मिलता था। ऐसे में एक-दूसरे को समझने और करीब आने का मौका स्वाभाविक रूप से मिला। यही पेशेवर साथ धीरे-धीरे गहरे रिश्ते में बदल गया। आज भी हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित और यादगार जोड़ियों में गिनी जाती है।

मालूम हो कि हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित और लोकप्रिय जोड़ियों में शामिल हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की प्रेम कहानी आज भी प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बनी रहती है। दोनों ने सीता और गीता, शोले, ड्रीम गर्ल, आजाद, दिल्लगी और द बर्निंग ट्रेन जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया।

अरे यार, मेरे पास कोई सीक्रेट ही नहीं है, मुझे कुछ नहीं चाहिए, मैं वर्जिन हूं

मुंबई,(ए.)। रियलिटी शोज में अक्सर कंटेस्टेंट्स के बीच तकरार, मजाक और तीखी नोकझोंक हो जाती है। 'लॉक अप सीजन 2' में कंटेस्टेंट के बीच बहस देखने को मिल रही है। अब शो के हालिया एपिसोड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री शिल्पा शिंदे और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेया कालरा, टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी की मिमिक्री करती नजर आ रही हैं। इस दौरान शिल्पा ने शिवांगी की वर्जिनिटी को लेकर भी टिप्पणी की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालिया एपिसोड में शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा एक साथ बैठकर शिवांगी जोशी की नकल उतारती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में शिल्पा, शिवांगी के बोलने के अंदाज की मिमिक्री करते हुए कहती है, 'अरे यार, मेरे पास तो कोई सीक्रेट ही नहीं है। कितना एक्ट करूं? मैं बहुत इनोसेंट हूं। मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं वर्जिन हूं। मैं शादी के बाद ही करूंगी।' शिल्पा के इस अंदाज पर श्रेया भी हंसने लगती हैं और फिर वह अभिनेता हर्षद चोपड़ा की मिमिक्री करते हुए कहती हैं, "शिवांगी, तुम क्या सोच रही हो?" इसके बाद वह खुद ही शिवांगी के अंदाज में जवाब देती हैं, "पता नहीं, लेकिन जब ये सीक्रेट रिवील होगा ना, तब मैं बहुत हंसूंगी, क्योंकि इसमें था ही कुछ नहीं।

मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो बकवास बातों को बर्दाश्त कर लें? हद में रहना

- पैपराजी के भद्दे कमेंट पर भड़की जरीन खान, सख्त लहजे में दी चेतावनी

नई दिल्ली,(ए.)। बॉलीवुड सितारों और पैपराजी के बीच कैमरे के सामने होने वाली नोकझोंक अब आम बात है। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा और नेहा धूपिया भी पैपराजी के कुछ बिहेवियर पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। अब इस लिस्ट में जरीन खान का नाम भी जुड़ गया है। एक इवेंट में कुछ ऐसा हुआ कि एक्ट्रेस जरीन का सब्र टूट गया और उन्होंने सबके सामने ही पैपराजी को खरी-खोटी सुना दी। उनका सख्त अंदाज कैमरे में कैद हो गया, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स भी जरीन की तारीफ कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जरीन खान मुंबई में एक कपड़ों के ब्रांड के लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने ब्रांड के कलेक्शन के साथ कैमरों के सामने पोज दिए। उनके हाथ में एक डेनिम जैकेट और एक ड्रेस भी थी, जिसे वह प्रमोट कर रही थीं। इसी बीच वहां मौजूद एक फोटोग्राफर ने जरीन से कहा कि वह वहीं सबके सामने ड्रेस ट्राई करके दिखाएं। इतना सुनते ही एक्ट्रेस जरीन भड़क गईं। उन्होंने आव देखा न ताव और तुरंत जवाब दिया। जरीन ने पैपराजी को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि फालतू की बातें मत करना मेरे साथ, क्योंकि मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो बकवास बातों को बर्दाश्त कर लें, ओके? हद में रहना, सब के सब।' उनका यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग भी कुछ शांत हो गए।

मूंग खरीदी, खाद और बिजली के मुद्दे पर किसान कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, मंत्रियों के पुतले फूंके

सीहोर(निप्र)। किसान हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर शनिवार, 18 जुलाई को जिला कांग्रेस कार्यालय में किसान कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के निर्देश पर आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश चौहान ने किया। कार्यक्रम में जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों, प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रदर्शन के दौरान किसानों की मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित करने, खाद वितरण में ई-टोकन व्यवस्था समाप्त कर पूर्व की तरह सरल एवं परेशानी मुक्त व्यवस्था लागू करने तथा बिजली की बढ़ी हुई दरें वापस लेकर पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने की मांग जोर-शोर से उठाई गई। कार्यकर्ताओं ने किसान हित में फैसला लो, किसानों को न्याय दो जैसे गगनभेदी नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राज्य कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना के पुतले दहन कर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया।सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओम वर्मा ने कहा कि किसानों को बिना किसी भेदभाव और तकनीकी बाधा के अपनी उपज बेचने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और पूर्णतः किसान हितैषी बनाया जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश चौहान ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान और सम्मानजनक व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

राज्य सरकार ने लागू की सख्त कॉस्ट कटिंग नीति विदेश यात्राओं, नए कॉन्ट्रैक्ट्स और वीआईपी कल्चर पर लगाई रोक

सीहोर(निप्र)। देश में वित्तीय प्रबंधन और सरकारी खर्चों में पारदर्शिता को लेकर राज्य सरकारें अब बेहद सख्त रुख अपना रही हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 और आगामी वर्ष 2027-28 के बजट आवंटन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। फिजूलखर्ची पर पूरी तरह लगाम लगाते हुए कई तरह की गतिविधियों और खर्चों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासनिक स्तर पर इस कदम को कड़े वित्तीय अनुशासन और मितव्ययिता के रूप में देखा जा रहा है। यह नियम सभी सरकारी विभागों, निगमों, मंडलों, सार्वजनिक उपक्रमों और विश्वविद्यालयों पर अनिवार्य रूप से लागू होगा। आदेशानुसार वीआईपी संस्कृति और फिजूलखर्ची से जुड़े कई बड़े खर्चों पर रोक लगा दी है। अब बेहद अनिवार्य मामलों को छोड़कर राज्य सरकार या उसके उपक्रमों के खर्च पर होने वाली सभी विदेश यात्राओं पर आगामी आदेश तक रोक रहेगी।

पेंशनरों के हित में बड़ा फैसला, डीए घोषणा में दोनों राज्यों की पारस्परिक सहमति की अनिवार्यता समाप्त

सीहोर(निप्र)। मध्य प्रदेश शासकीय अधिकारी-कर्मचारी जनकल्याण संघ ने पेंशनरों के महंगाई भत्ते (डीए) की घोषणा में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकारों के बीच पारस्परिक सहमति की अनिवार्यता समाप्त किए जाने के निर्णय का स्वागत किया है। संघ ने इसे पेंशनरों के हित में एक ऐतिहासिक एवं सराहनीय कदम बताया है।

संघ के प्रांताध्यक्ष रामगोपाल सेन ने मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री एवं मुख्य सचिव को पत्र प्रेषित कर इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई 2026 को दोनों राज्यों के वित्त सचिवों द्वारा इस संबंध में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद पेंशनरों के लिए डीए स्वीकृति की प्रक्रिया अधिक सरल और समयबद्ध हो सकेगी।रामगोपाल सेन ने कहा कि अब मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को भी केंद्र सरकार के समान समय पर महंगाई भत्ते का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के तहत मुंगावली स्कूल में भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन

सीहोर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अवसर पर मुंगावली स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन, दीप प्रज्वलन एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गुरु वंदना से हुई। इसके पश्चात गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत मेरे जीवन में गुरु का महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और रचनात्मकता के साथ सहभागिता की।विद्यालय के प्राचार्य राजेश कसौटिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अब स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं में विद्यार्थी 31 जुलाई तक ले सकेंगे प्रवेश

सीहोर (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए द्वितीय चरण की कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में 31 जुलाई तक प्रवेश ले सकेंगे। इस संबंध में आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा ने मंगलवार को आदेश भी जारी कर दिए हैं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार द्वितीय चरण की सीएलसी की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 थी, जिसे बढ़ाकर अब 31 जुलाई 2026 कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित अन्य सभी शर्तें, नियम एवं दिशा-निर्देश पूर्ववत लागू रहेंगे।

वर्षा ऋतु में सर्पदंश से बचाव एवं सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी

सीहोर(निप्र)। वर्षा ऋतु में खेतों, झाड़ियों, जलभराव वाले क्षेत्रों तथा आवासीय परिसरों में सांपों की गतिविधियां बढ़ने के कारण सर्पदंश की घटनाओं की संभावना को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश की स्थिति में घबराएं नहीं, बल्कि बिना समय गंवाए तत्काल निकटतम शासकीय अस्पताल पहुंचकर उपचार कराएं। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि जिले की सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में सर्पदंश के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयों के साथ एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि समय पर सही उपचार मिलने से अधिकांश सर्पदंश पीड़ितों का सफल उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि सर्पदंश होने पर पीड़ित को शांत एवं स्थिर रखें तथा अनावश्यक चलने-फिरने से बचाएं। दंश वाले स्थान को साफ पानी से धोकर स्वच्छ कपड़े से ढक दें और जिस अंग पर सांप ने काटा हो उसे यथासंभव स्थिर रखें। सूजन की संभावना को देखते हुए अंगूठी, कड़ा, घड़ी, बेल्ट अथवा अन्य आभूषण निकाल दें। यदि पीड़ित बेहोश हो या उल्टी की संभावना हो तो उसे करवट की स्थिति में लिटाकर अस्पताल ले जाएं। यदि सुरक्षित रूप से संभव हो तो चिकित्सक को सर्पदंश का समय तथा सांप का स्वरूप बताएं, लेकिन सांप को पकड़ने या मारने का प्रयास बिल्कुल न करें।

भाऊखेड़ी में आज लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

इछावर/सीहोर(निप्र)। ग्राम पंचायत भाऊखेड़ी, तहसील इछावर, जिला सीहोर में आज रविवार, 19 जुलाई को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर अटल अस्पताल, सीहोर तथा साहस महिला/बाल शिक्षण एवं सामाजिक विकास संस्था और सेवा सदन अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। शिविर में मेडिसिन, हड्डी एवं जोड़ रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श दिया जाएगा। साथ ही सामान्य बीमारियों, सिरदर्द, बुखार, खांसी, सर्दी, शुगर, बीपी, पेट संबंधी समस्याओं और हड्डी व जोड़ों की तकलीफों का परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा।

पालकी यात्रा, तैयारियों को लेकर आज होगी बैठक

सीहोर (निप्र)। श्रावण मास भगवान शिव की आराधना, भक्ति और आध्यात्मिक साधना का पावन पर्व माना जाता है। इसी पवित्र अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर में 25वीं श्री सिद्धेश्वर महादेव भव्य पालकी यात्रा का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया जाएगा। इस ऐतिहासिक एवं धार्मिक आयोजन को सफल, भव्य और जनसहभागिता से परिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से आज, 19 जुलाई (रविवार) सुबह 10 बजे होटल राजदीप (तृतीय तल), बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, बस स्टैंड, सेकड़ाखेड़ी रोड, सीहोर में आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। श्री सिद्धेश्वर महादेव समिति पालकी यात्रा के संस्थापक किशोर कौशल ने बताया कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि शिवभक्तों की आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का जीवंत उत्सव है। श्रावण मास के तृतीय सोमवार 17 अगस्त सोमवार को निकलने वाली यह भव्य पालकी यात्रा नगरवासियों को भगवान भोलेनाथ की भक्ति से जोड़ते हुए धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। उन्होंने नगर के सभी शिवभक्तों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा युवाओं से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं सहयोग देने की अपील की है, ताकि इस वर्ष की रजत जयंती (25वीं) पालकी यात्रा को ऐतिहासिक, दिव्य और अविस्मरणीय बनाया जा सके।

सीहोर में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओमदीप के निवास पहुंचे पूर्व नेता प्रतिपक्ष राहुल भैया अजय सिंह, तिलक कर किया गया स्वागत

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक राहुल भैया अजय सिंह शनिवार को सीहोर प्रवास के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओमदीप सिंह के निवास पर पहुंचे। यहां उनके पुत्र हर्षदीप सिंह एवं पुत्रवधू माया सिंह ने तिलक लगाकर एवं आत्मीय स्वागत कर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, शहर कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य हरपाल सिंह ठाकुर, प्रतिपक्ष नेता विवेक राठौर, ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह, पूर्व अध्यक्ष ओम वर्मा, सहकारी नेता एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज नारायण जलोदिया, पंडित राममूर्ति शर्मा, ईश्वर सिंह चौहान, आशीष गेहलोत, राजेन्द्र वर्मा, योगेन्द्र राय, राजीव मिश्रा (एडवोकेट), मुकेश ठाकुर, शरद मोदी सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान राहुल भैया अजय सिंह ने उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए संगठनात्मक एकता सबसे महत्वपूर्ण है।

किसान दिवस पर बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया आरसेटी सीहोर का भ्रमण, प्रशिक्षणार्थियों का बढ़ाया उत्साह

सीहोर (निप्र)। किसान दिवस के अवसर पर 18 जुलाई 2026 को बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सीहोर का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा संस्थान की गतिविधियों की सराहना की।भ्रमण के दौरान बैंक ऑफ इंडिया प्रधान कार्यालय, मुंबई के महाप्रबंधक लोकेश कृष्णा, एफजीएमओ भोपाल के महाप्रबंधक संजय श्रीवास्तव, भोपाल आंचलिक कार्यालय के आंचलिक प्रबंधक बी.आर. पटनायक एवं उप आंचलिक प्रबंधक संदीप कुमार अग्रवाल ने संस्थान का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संस्थान में संचालित जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर एवं होममेड अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उन्हें स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया।इस अवसर पर अधिकारियों ने आरसेटी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी उत्साहवर्धन किया तथा पूर्व निर्धारित लक्ष्यों की सफलता पूर्वक प्राप्ति पर उन्हें बधाई दी। साथ ही संस्थान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। भ्रमण के दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय के प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक कार्यालय, सीहोर शाखा एवं के.यू. मंडी शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

विनायक को मिली कैनेडा की यूनिवर्सिटी से उपाधि, सीहोर शहर को किया गौरान्वित

सीहोर (निप्र)। सीहोर शहर के वरिष्ठ बीमा सलाहकार सतीश सीठा के पुत्र विनायक सीठा ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैनेडा वेस्ट से मास्टर ऑफ मैनेजमेंट (एमबीए) की डिग्री प्राप्त कर सीहोर शहर को गौरांवित किया है ।ज्ञात हो कि शुरू से ही विनायक प्रतिभावान छात्र रहे है, पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने वाले विनायक ने अपनी पढ़ाई कैनेडा में जारी रखने का निश्चय किया और उनकी मेहनत रंग लाई । इनके पिता एलआईसी में सीएम क्लब मेंबर है जो बहुत ही सामाजिक और धार्मिक है ने बताया कि इस उपलब्धि से पूरा परिवार के साथ-साथ एलआईसी, सीवन पुत्र टीम एवं पूरा शहर में प्रसन्नता व्याप्त है ।सभी ने इस उपलब्धि पर विनायक सीठा को शुभकामनाएं प्रेषित की है ।

जिला सीहोर में "आर्य समाज का घर-घर यज्ञ हर-घर यज्ञ" अभियान के तहत 4 दिन में 5 यज्ञ दो रात्री कालीन सत्र सम्पन्न

सीहोर, (निप्र)। पर्यावरण शुद्धि और वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के संकल्प के साथ आर्य समाज महाराणा प्रताप कॉलोनी गंज सीहोर, आर्य वीर दल एवं मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के संयुक्त तत्वावधान में जिले भर में घर-घर यज्ञ हर-घर यज्ञ अभियान तेजी से चल रहा है। मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान प्रकाश आर्य एवं महामंत्री अतुल वर्मा के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के अंतर्गत 15 से 17 जुलाई तक लगातार यज्ञ और बौद्धिक सत्र आयोजित किए गए।

ग्राम-ग्राम पहुंचा यज्ञ का संदेश

15 जुलाई को शाजापुर जिले के ग्राम मुरावर में अभियान का 22वाँ एवं 23वाँ वैदिक यज्ञ सम्पन्न हुआ। सायं 5 से 7 बजे तक चले यज्ञ में वैदिक मंत्रों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।16 जुलाई को प्रातः 8 से 11 बजे तक ग्राम कर्मण खेड़ी के श्री राम मंदिर में 24वाँ वैदिक यज्ञ किया गया। रात्रि में ग्राम खाम खेड़ा, तहसील आष्टा में आर्य भरत मुकाती के सान्निध्य में बौद्धिक सत्र का आयोजन हुआ। 17 जुलाई को ग्राम हरनावदा, तहसील जावर के श्री राम मंदिर में 25वाँ वैदिक यज्ञ प्रातः 9 से 11 बजे तक सम्पन्न हुआ। यज्ञ के मुख्य यजमान सार्थक ठाकुर रहे। रात्रि में ग्राम बड़ोदिया में आचार्य हेमराज जी आर्य ने बौद्धिक सत्र को संबोधित किया।

251 परिवारों में यज्ञ का लक्ष्य

यज्ञ का संपादन पंडित दिलीप जी आर्य एवं पंडित हरिओम जी सरल ने कराया। अभियान के अंतर्गत जिले में 251 परिवारों में वैदिक यज्ञ, 51 विद्यालयों में योग-आत्मरक्षा शिविर और 125 ग्रामों में आर्य वीर दल की शाखाएं स्थापित करने का संकल्प लिया गया है। यज्ञोपरांत भजनों के बाद बौद्धिक सत्र में श्राद्ध, तर्पण, पंच महायज्ञ, हवन के लाभ, संध्या, पाखंड निवारण, स्वर्ग-नरक और जीवन के उद्देश्य जैसे विषयों पर पंडित दिलीप जी आर्य, पंडित हरिओम जी सरल, आचार्य विजय राठौर, आर्य बाबूलाल जी सोनी, आर्य भरत जी मुकाती, आचार्य हेमराज जी आर्य ने विचार रखे।कार्यक्रम में आचार्य विजय राठौड़, आर्य भरत जी मुकाती, आचार्य हेमराज जी आर्य सहित सैकड़ों आर्यजन उपस्थित थे।

हवन से पर्यावरण और स्वास्थ्य को लाभ

वक्ताओं ने बताया कि हवन करने से वातावरण शुद्ध होता है, हानिकारक जीवाणु नष्ट होते हैं, मानसिक शांति मिलती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सभा ने समाज से अपील की कि सभी लोग तन-मन-धन से सहयोग कर इस पुण्य अभियान को सफल बनाएं।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती दस्तावेज अपलोड और सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन 2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में जारी सूचना के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) चयन परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर नियोजन संबंधी प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित की जा रही है। अभ्यर्थियों को 18 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने तथा जिला विकल्प का चयन करना होगा। इसके बाद 19 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक जिला स्तर पर दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा।

विशेष लोक अदालत में 29 प्रकरणों का हुआ निराकरण

01 करोड़ 11 लाख रूपये से अधिक समझौता राशि जमा

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायालय सहित सभी तहसील न्यायालयों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम अंतर्गत चेक बाउंस के न्यायालय में वर्षों से लंबित एवं प्री लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति और सुलह समझौते के आधार पर किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने बताया कि विशेष लोक अदालत में चैक बाउंस के प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला एवं तहसील स्तर पर कुल 09 खंडपीठों का गठन किया गया था। विशेष लोक अदालत में न्यायालय में लंबित कुल 46 प्रकरण सुनवाई हेतु रखे गए, जिनमें से 29 प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति से समझौते कराये गए और समझौता राशि 01 करोड़ 11 लाख 56 हजार 821 रूपये जमा कराई गई।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

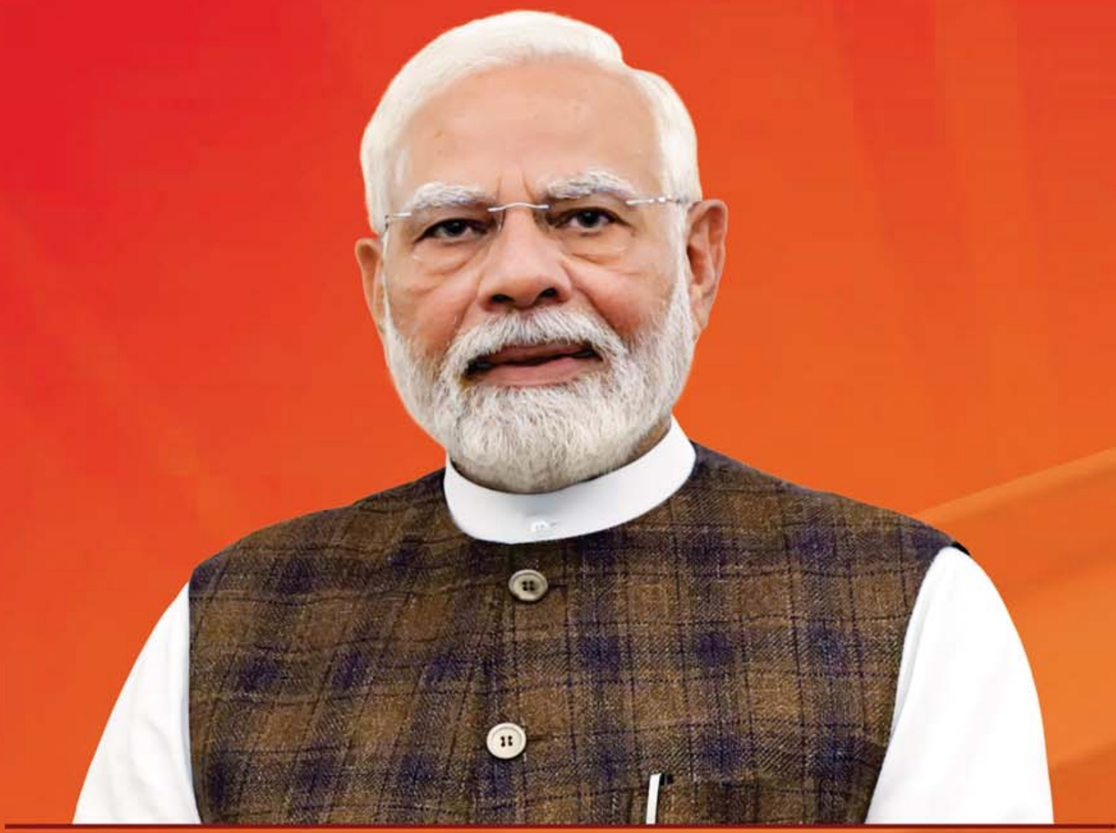

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सब नागरिक समान
सबको सम्मान

समानता और न्याय की भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश
मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता

- सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे
- सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे
- विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी
- जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे
- बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा
- लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य
- माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता
- जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा

D-11063/26